केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 155 रविवार 29 दिसम्बर 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

दुष्कर्म मामले में तीन आरोपी बालकों सहित आठ पर मुकदमा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। आंगनबाड़ी केंद्र पर तीन वर्षीय बच्ची के साथ दुष्कर्म करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। यह मुकदमा तीन बालकों और उनके पांच परिजनों के खिलाफ दर्ज हुआ है। तीनों मुख्य आरोपी भी पांच से सात साल के हैं। कलवारी पुलिस ने पीड़ित मासूम को बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया। सीडब्लूसी के निर्देश पर उसका स्वास्थ्य परीक्षण जिला महिला अस्पताल में कराया।

कलवारी पुलिस को दी तहरीर में एक महिला ने बताया कि उसकी साढ़े तीन वर्षीय बेटी गांव के आंगनबाड़ी केंद्र पर गई थी। जहां पर गांव के तीन बालकों ने उसके साथ गलत काम किया। इस घटना को दूसरे बच्चों ने देखा और जानकारी दी। मासूम के प्राइवेट पार्ट से रक्तस्राव हो रहा था। बताते चलें कि आरोपी तीन बालकों में दो सगे भाई हैं, जिनकी उम्र पांच और सात साल है। तीसरा आरोपी बालक दूसरे परिवार से है, उसकी उम्र भी पांच साल है।

पीड़ित मासूम की मां ने बताया कि जब इस बात की शिकायत करने आरोपियों के घर गई तो उन लोगों ने मारपीट किया। अब पुलिस ने तीनों बालकों, दो आरोपी भाइयों के माता–पिता, उनकी दादी, चाचा और बुआ के खिलाफ दुष्कर्म, लैंगिग अधिनियम और मारपीट के आरोप में मुकदमा दर्ज किया है।

कलवारी पुलिस ने पीड़ित बच्ची को सीडब्लूसी के समक्ष प्रस्तुत किया। सीडब्लूसी ने स्वास्थ्य परीक्षण कराने का निर्देश दिया। उसके बाद पुलिस पीड़ित को लेकर जिला महिला अस्पताल पहुंची। पूरे दिन चले प्रक्रिया में मासूम का स्वास्थ्य परीक्षण हुआ। अब पुलिस आरोपियों के गिरफ्तारी का प्रयास कर रही है।

अधिवक्ता के घर में चोरी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कोतवाली थानाक्षेत्र स्थित खौरहवा में अधिवक्ता के खाली घर को चोर खंगाल ले गए। इस मामले में पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस को दी तहरीर में अधवक्ता कौशलेंद्र पुत्र चंद्रभान निवासी रक्शा थाना लालगंज ने बताया कि अपना मकान बनाकर खौरहवा में रहते हैं। 10 दिसंबर को पूरे परिवार के साथ पैतृक गांव रक्सा चला चला गया। 25 दिसंबर को वापस लौटा तो देखा कि घर के अंदर का सारा सामान अस्त व्यस्त था।

आलमारी में रखा सारा सामान चोरी हो गया था। आलमारी में 50 हजार रुपये नगद, सोने की तीन अंगूठी, सोने की चेन, चांदी का 400 ग्राम सिक्के, 60 हजार की स्मार्ट वाच, टाईटन की घड़ी, चांदी का पायल, बिछुआ गायब हो गया। इस मामले में कोतवाली पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। मामले की विवेचना चौकी प्रभारी सिविल लाइन अजय कुमार सिंह को सौंपी गई है।

दबंगों ने रोका भवन निर्माण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कोतवाली थानाक्षेत्र के भदेश्वरनाथ गांव में अपनी जमीन पर घर बनवाते समय पड़ोसियों ने मारपीट की और भवन निर्माण रोक दिया। पीड़ित परिवार को जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित ने कोतवाली पुलिस को मामले की तहरीर दी, लेकिन जांच के नाम पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज नहीं किया।

कोतवाली पुलिस को दी तहरीर में राकेश कुमार गिरी पुत्र रामचंद्र गिरी निवासी भदेश्वरनाथ मिश्रौलिया ने बताया कि वह 21 दिसंबर को दिन में दो बजे अपने अर्द्धनिर्मित मकान पर निर्माण कार्य करा रहा था। इसी दौरान गांव के एक परिवार से संबंधित चार लोग लाठी–डंडा लेकर आए। यह सभी मेरे घर में घुसकर निर्माण कार्य को रोकने लगे।

जब राकेश ने कहा कि मैं अपने मकान का निर्माण करा रहा हूं तो वे लोग गाली देते हुए मारने–पीटने लगे। वह इससे काफी डरा हुआ है। इस मामले में चारो आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई करें। कोतवाली पुलिस ने जांच के नाम पर मामले में एक सप्ताह बाद भी केस नहीं दर्ज किया है।

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह पंचतत्व में विलीन, बेटी ने दिया मुखाग्नि

नई दिल्ली (आभा)। आर्थिक सुधारों के जनक पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह शनिवार को पंचतत्व में विलीन हो गए। उनका यहां राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार कर दिया गया। सिंह की बेटी ने उन्हें मुखाग्नि दी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, भूटान के नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक, कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कई अन्य हस्तियों ने सिंह को अंतिम विदाई दी।

इससे पहले, कांग्रेस मुख्यालय से निगमबोध घाट तक उनकी अंतिम यात्रा निकली। इस दौरान कांग्रेस के कार्यकर्ता 'जब तक सूरज चांद रहेगा, मनमोहन आपका नाम रहेगा' और 'मनमोहन सिंह अमर रहें' के नारे लगाते रहे। सिंह का पार्थिव शरीर जिस वाहन में रखा गया, उसमें कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, सिंह के परिवार के कुछ सदस्य और कांग्रेस के कुछ नेता भी बैठे थे। अंतिम यात्रा से पहले सिंह का पार्थिव शरीर कांग्रेस मुख्यालय '24 अकबर रोड' में रखा गया था जहां सोनिया गांधी, खरगे, राहुल गांधी और पार्टी के कई अन्य वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि दी।

गौरतलब है कि डॉ. सिंह का 92 साल की उम्र में 26 दिसंबर रात करीब 9 बजे दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में निधन हो गया था। डॉ. सिंह के निधन के बाद उनका स्मारक बनाने को लेकर कांग्रेस तथा भाजपा के बीच जमकर सियासत हो रही है। हालांकि सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि ट्रस्ट बनाकर डॉ. सिंह का समाधि स्थल बनाया जाएगा।

डॉ. सिंह 2004 से 2014 तक दो बार देश के प्रधानमंत्री रहे। इससे पहले 1991 में पी.वी. नरसिम्हा राव सरकार में वित्तमंत्री के रूप में उन्होंने देश में उदारवादी आर्थिक सुधार लागू किया, जिससे देश की अर्थव्यवस्था को नहीं ऊंचाई मिली। साल 1954 में पंजाब विवि से अर्थशास्त्र में एमए करने के बाद कैम्ब्रिज से प्रथम श्रेणी से अर्थशास्त्र (ऑनर्स) कर उन्होंने 1962 में ऑक्सफोर्ड से डीफिल किया।

मनमोहन सिंह 1971 में भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय में आर्थिक सलाहकार, 1972 में वित्त मंत्रालय में मुख्य आर्थिक सलाहकार रहे और 1980 से 82 तक योजना आयोग के सदस्य बने। डॉ. सिंह 1982–1985 तक रिजर्व बैंक के गवर्नर रहे और साल 1985 में योजना आयोग के उपाध्यक्ष बने। फिर वह 1990 में प्रधानमंत्री के आर्थिक सलाहकार नियुक्त हुए। वह दिल्ली विश्वविद्यालय में भी प्रोफेसर रहे।

समृद्धि के लिए समझना होगा दूध, पूत का महत्व–महेश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बनकटी (बस्ती)। गो सेवा आयोग के उपाध्यक्ष और दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री महेश शुक्ला ने शनिवार को बनकटी विकास खण्ड क्षेत्र के सिरौता स्थित वृहद गोशाला का निरीक्षण किया और ब्लॉक मुख्यालय पर आयोजित गो संरक्षण एवं संवर्धन में किसानों की भूमिका कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए गोपालक किसानों को जागरूक करते हुए दूध और पूत के महत्व को समझाया और सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी दी।

ब्लॉक मुख्यालय के सभागार में आयोजित किसान गोष्ठी में करीब डेढ़ बजे पहुंचे मुख्य अतिथि दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री महेश शुक्ला ने माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में मौजूद गोपालकों किसानों और ग्रामीण आजीविका मिशन की महिलाओं तथा ग्राम प्रधानों व प्रतिनिधियों को सम्बोधित कर मातृ शक्तियों से गौ पालन करने की अपील करते हुए कहा कि

स्वयं को और देश को समृद्धशाली बनाने के लिए दूध और पूत के महत्व को समझना होगा।इसी से हमारा और हमारे देश का उत्थान संभव है।

कार्यक्रम का संचालन सेवानिवृत्त जिला युवा कल्याण अधिकारी अरुण पांडेय ने किया।ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि रघुनाथ सिंह, जिला पंचायत सदस्य सुरेंद्र तिवारी,अश्विनी उपाध्याय, रविचंद्र पांडेय,विवेकानंद शुक्ल आदि ने भी किसान गोष्ठी को सम्बोधित किया ।

इस अवसर पर वीडीओ भवानी प्रसाद शुक्ल,आलम चौधरी,राजेन्द्र चौधरी, ओम प्रकाश शुक्ल,मनमोहन तिवारी, गिरीश पांडेय,अखिलेश शुक्ल, राधेश्याम चौधरी,अतुल पाल, अंकित पांडेय,ब्रह्मानंद शुक्ल, बबलू दुबे,मुरलीधर शुक्ल,अनवर हुसैन शाह,शेषराम चौधरी,जगदम्बा शुक्ला,सुनील पाल,पप्पू यादव, हरिशंकर शुक्ल, अरविंद चौधरी,शमीम सिद्दीकी, अभय प्रताप सिंह, अरविंद गुरु जी,संतोष राव, राम किशुन चौधरी आदि मौजूद रहे।

नाक में फैल रहा संक्रमण, बढे रोगी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बदले मौसम के बाद मेडिकल कॉलेज और जिला अस्पताल में नाक में इंफेक्शन वाले रोगियों की संख्या में बढ़ोत्तरी हुई है। ईएनटी विभाग में आने वाले अधिकतर रोगियों के नाक में संक्रमण मिल रहा है। ऐसे रोगी नेजल मायियासिस से पीड़ित हैं, जिन्हें चिकित्सक परामर्श और दवा देकर भेज दे रहे हैं।

जांच के दौरान मरीजों के नाक के अंदर घाव और लालीपन दिख रहा है। उससे खून का कभी–कभी रिसाव भी हो रहा है। इससे कान में संक्रमण फैलने का डर बना रहता है। चिकित्सकों का कहना हैं कि मौसम में हो रहे बदलाव के कारण नाक से संबंधित एलर्जी की परेशानी बढ़ी है। चिकित्सक नियमित रूप से नाक और कान की देखभाल करने और समस्या होने पर चिकित्सीय परामर्श के लिए सलाह दे रहे हैं। मेडिकल कॉलेज के ईएनटी विभाग के विभागाध्यक्ष सर्जन डॉ. राजेश पांडेय ने बताया वातावरण में बदलाव के कारण तपमान में गिरावट भी इसका कारण है।

निगमबोध घाट पर अंतिम संस्कार से भड़के राहुल गांधी कहा- सरकार ने मनमोहन सिंह का अपमान किया

नई दिल्ली (आभा)। पूर्व प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह शनिवार को पंचतत्व में विलीन हो गए। उनका यहां निगमबोध घाट पर पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। निगमबोध घाट पर अंतिम संस्कार को लेकर राजनीतिक विवाद शुरू हो गया है। कांग्रेस सांसद व लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने इसे मनमोहन सिंह का अपमान करार दिया। इसके अलावा, दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी इसे परंपरा का उल्लंघन बताया।

राहुल गांधी ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'भारत माता के महान सपूत और सिख समुदाय के पहले प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह जी का अंतिम संस्कार निगमबोध घाट पर करवाकर वर्तमान सरकार द्वारा उनका सरासर अपमान किया गया है। एक दशक के लिए वह भारत के प्रधानमंत्री रहे, उनके दौर में देश आर्थिक महाशक्ति बना और उनकी नीतियां आज भी देश के गरीब और पिछड़े वर्गों का सहारा हैं। आज तक सभी पूर्व प्रधानमंत्रियों की

गरिमा का आदर करते हुए उनके अंतिम संस्कार अधिकृत समाधि स्थलों में किए गए ताकि हर व्यक्ति बिना किसी असुविधा के अंतिम दर्शन कर श्रद्धांजलि दे पाए। डॉ. मनमोहन सिंह हमारे सर्वोच्च सम्मान और समाधि स्थल के हकदार हैं। सरकार को देश के इस महान पुत्र और उनकी गौरवशाली कौम के प्रति आदर दिखाना चाहिए था ।'

इसके अलावा, दिल्ली के पूर्व सीएम केजरीवाल ने लिखा, 'ये खबर सुनकर मैं स्तब्ध हूं। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह जी का अंतिम संस्कार निगम बोध घाट पर किया गया। इसके पूर्व भारत के सभी प्रधानमंत्रियों का अंतिम संस्कार राजघाट पर किया जाता था। सिख समाज से आने वाले, पूरी दुनिया में ख्याति प्राप्त, 10 वर्ष भारत के प्रधानमंत्री रहे डॉ मनमोहन सिंह जी के अंतिम संस्कार और समाधि के लिए बीजेपी सरकार 1000 गज जमीन भी न दे सकी?

सिंह के निधन के शोक के बीच उनकी अंत्येष्टि और स्मारक स्थल को लेकर उस वक्त एक विवाद भी खड़ा हुआ जब सरकार ने उनका अंतिम संस्कार निगमबोध घाट पर किए जाने का फैसला किया और कांग्रेस ने आरोप लगाया कि देश के पहले सिख प्रधानमंत्री का जानबूझकर का अपमान किया गया है। कांग्रेस की मांग थी कि उनका अंतिम संस्कार उसी स्थान पर होना चाहिए जहां उनका स्मारक बन सके। हालांकि, केंद्रीय गृह मंत्रालय ने शुक्रवार रात कहा कि सरकार पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के स्मारक के लिए स्थान आवंटित करेगी।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर आग्रह किया था कि सिंह का अंतिम संस्कार ऐसे स्थान पर होना चाहिए, जहां उनका स्मारक भी बन सके। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने आरोप लगाया था कि सिंह की अंत्येष्टि और स्मारक के लिए स्थान नहीं ढूंढ पाना भारत के पहले सिख प्रधानमंत्री का जानबूझकर किया गया अपमान है।

16 बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

मुम्बई (आभा)। महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने भारत में अवैध रूप से घुसने और वैध दस्तावेजों के बिना रहने के आरोप में छह महिलाओं सहित 16 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बताया कि एटीएस द्वारा शुरू किए गए विशेष अभियान के दौरान इन लोगों को गिरफ्तार किया गया। एक अधिकारी ने कहा, ''नवी मुंबई, ठाणे और सोलापुर में पुलिस की मदद से पिछले 24 घंटे में कार्रवाई की गई। हमने सात पुरुषों और छह महिलाओं को गिरफ्तार किया है।'' उनके खिलाफ विदेशी अधिनियम और अन्य प्रासंगिक कानूनों के तहत तीन मामले दर्ज किए गए हैं।

उन्होंने कहा, ''इन बांग्लादेशी

नागरिकों ने फर्जी दस्तावेजों का उपयोग करके किसी तरह आधार कार्ड जैसे भारतीय दस्तावेज हासिल कर लिए थे।'' एक अधिकारी ने शनिवार को बताया कि एटीएस और पुलिस के संयुक्त दस्ते ने शुक्रवार रात जालना जिले से तीन बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया। आरोपी भोकरदन तालुका में क्रशर मशीनों पर काम कर रहे थे। एटीएस और स्थानीय पुलिस के संयुक्त अभियान के दौरान उन्हें अनवा और कुंभारी गांवों से गिरफ्तार किया गया। प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि तीनों ने फर्जी पहचान पत्र बनवाए थे ताकि वे भारत में अवैध रूप से काम कर सकें। पुलिस अधिकारी ने बताया कि वे पिछले दो साल से अवैध रूप से रह रहे थे। भारतीय न्याय संहिता और विदेशी अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

इसी कड़ी में कोलकाता पुलिस ने देश में अवैध रूप से रहने के आरोप में एक बांग्लादेशी नागरिक को महानगर के पार्क स्ट्रीट इलाके से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि बांग्लादेशी नागरिक के पास फर्जी पहचान पत्र थे।

बिजली विभाग की मनमानी पर भड़के भाजपा विधायक अजय सिंह, दिया चेतावनी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । हर्रैया सीट से भाजपा विधायक अजय सिंह द्वारा फेसबुक पर की गई एक पोस्ट तेजी से वायरल हो रही है। हर्रैया क्षेत्र के एक गांव की बिजली काटे जाने के बाद सामने आई इस पोस्ट से बिजली विभाग में हड़कंप मच गया है। इस पोस्ट में भाजपा विधायक, बिजली विभाग को चेतावनी दे रहे हैं। पोस्ट में उन्होंने टोल का भी जिक्र किया है। लिखा है कि टोल को ठीक कर दिया हूं। यूपी–51 फ्री हुआ, अब बिजली ठीक होगी।

दरअसल, बिजली विभाग ने विद्युत वितरण उपखंड हर्रैया के राजस्व गांव बरगदवा में शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए पूरे गांव की बिजली काट दी थी। इस कार्रवाई के पीछे विभाग ने गांव में बिजली बिलों का भारी बकाया होने की बात कही जबकि गांव के लोगों का कहना है कि गांव के तमाम लोग हर महीने समय पर बिजली का बिल जमा करते हैं। जिनका एक रूपया भी बकाया नहीं है उनकी भी बिजली काट दी गई। मामले की शिकायत गांववालों ने क्षेत्रीय विधायक अजय सिंह से की थी। विधायक अजय सिंह की कोशिशों से रात में 12 बजे के करीब गांव की

बिजली जोड़ दी गई। बिजली मध्याह्न में काटी गई थी। गांववालों को कम से कम 12 घंटे तक अंधेरे में रहना पड़ा। देर रात बिजली जोड़ दी गई लेकिन बिजली विभाग की कार्रवाई को लेकर ग्रामीण नाराज हैं।

शनिवार की सुबह फेसबुक पर की गई इस पोस्ट की शुरुआत ही भाजपा विधायक ने बिजली विभाग को सावधान करते हुए की है। उन्होंने लिखा– 'बिजली विभाग सावधान। ऐसा न हो कि जनता आप सबके गलत कृत्यों के खिलाफ आप सबको सबक सिखाना शुरू कर दें। अब बर्दाश्त के बाहर है। इसके आगे विधायक लिखते हैं कि टोल को ठीक कर दिया है। यूपी–51 फ्री हुआ, अब बिजली ठीक होगी।'

इस बारे में विधायक का कहना है कि बिजली विभाग की विजिलेंस टीम पर भी उपभोक्ताओं के शोषण के आरोप लग रहे हैं। क्षेत्र के लोगों से लगातार शिकायत मिल रही है। कुछ कर्मचारी हैं जो कभी फील्ड में नहीं उतरते, न ही कभी कैंप लगाते हैं। अलग से पैसा लेकर बिजली बिलों को मैनेज करते हैं। बरगदवा गांव में मेरे कहने के बावजूद पूरे गांव की बिजली काट दी गई जबकि वहां बहुत सारे परिवार नियमित बिजली बिल जमा करते हैं। उन्होंने कहा कि इस बारे में डीएम, कमिश्नर के अलावा ऊर्जा मंत्री से भी मैंने बात की है। गलत कर रहे कर्मचारियों को बख्शा नहीं जाएगा। ऐसे भ्रष्ट कर्मचारी–अधिकारी सरकार की छवि धूमिल कर रहे हैं।

भाजपा विधायक ने अपनी पोस्ट में टोल का भी जिक्र किया है। इसकी वजह यह है कि कुछ समय पर हर्रैया क्षेत्र के एक टोल पर स्थानीय गाड़ियों से टोल टैक्स लिए जाने को लेकर शिकायतें आ रही थीं। विधायक समर्थकों का कहना है कि विधायक की कोशिशों से यह वसूली बंद हो गई है। इसी वजह से विधायक ने बिजली विभाग को चेतावनी देने वाले अपनी पोस्ट में लिखा– 'टोल को ठीक कर दिया है। यूपी–51 फ्री हुआ, अब बिजली ठीक होगी।'

भाजपा नेत्री ने किया कथित डेन्टल क्लीनिक को सील कर कार्रवाई की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भाजपा नेत्री, जिला पंचायत सदस्य सल्टौआ गोपालपुर विकास खण्ड क्षेत्र के नरायनपुर निवासिनी उर्मिला चौधरी पत्नी रजनीश चौधरी ने जिलाधिकारी को पत्र भेजकर नरायनपुर गांव में चल रहे कथित कृष्णा डेन्टल क्लीनिक की जांच कराकर दोषी संचालकों के विरूद्ध कार्रवाई की मांग किया है।

पत्र में उर्मिला चौधरी ने कहा है कि क्लीनिक डा. साजिद

हुसैन के नाम से पंजीकृत है। उन्हें कभी देखा नहीं गया। सीएमओ से की गई शिकायत के बाद डिप्टी सी. एम.ओ. डा. ए.के. चौधरी ने क्लीनिक की जांच किया तो पता चला कि अप्रशिक्षित व्यक्ति सूरज पुत्र नित्यराम रोगी का उपचार करते हुये मिला। डा. ए.के. चौधरी ने दो दिन के भीतर क्लीनिक के बारे में स्पष्टीकरण मांगा था किन्तु विभागीय स्तर पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। भाजपा नेत्री ने मांग किया कि क्लीनिक को सील कर सूरज पुत्र नित्यराम के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित कराया जाय।

उमाकांत अध्यक्ष, अमरनाथ महामंत्री निर्वाचित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। हर्रैया तहसील बार एसोसिएशन के नए कार्यकारणी का वार्षिक चुनाव गहमागामी के बीच संपन्न हुआ। इसमें उमाकांत तिवारी अध्यक्ष और अमरनाथ पांडेय महामंत्री निर्वाचित हुए।

बार एसोसिएशन के सभागार में चतुष्कोणीय मुकाबले में उमाकांत तिवारी 74 मत पाकर अध्यक्ष घोषित हुए। जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंदी माधव प्रसाद तिवारी को 70 मत मिले। उन्हें चार मतों से हार का सामना करना पड़ा। इंद्रजीत सिंह को 64 मत मिले, वहीं अरविंद पांडेय को महज 18 मतों से संतोष करना पड़ा। महामंत्री पद के लिए आमने–सामने की लड़ाई में अमरनाथ पांडेय 17 मतों से विजयी हुए। इन्हें कुल 122 मत मिले, जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंदी बलदेव प्रसाद पाठक को 105 मत मिले। वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए दो प्रत्याशी एक–दूसरे को कड़ी टक्कर दिए।

संतोष कुमार पांडेय को 155 मत मिले। जबकि इनके निकटतम प्रतिद्वंदी रामसूरत पांडेय को 72 मत प्राप्त हुआ।

कोषाध्यक्ष पद के लिए श्रीकांत मिश्रा, संयुक्त मंत्री पद के लिए अवनीश श्रीवास्तव, शिवगोविंद ,विजयधर दुबे और कनिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए राममणि शुक्ला निर्विरोध निर्वाचित हुए। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों और समर्थकों ने अबीर–गुलाल उड़ाकर खुशी जाहिर की। कुल 246 मतों में 227 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। चुनाव अधिकारी कृपाशंकर यादव ने पदाधिकारियों को जीत का प्रमाण–पत्र देकर बधाई दी।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष उमाकांत तिवारी ने कहा कि अधिवक्ताओं की हर लड़ाई लड़ने के लिए सदैव तत्पर रहेंगे। अधिवक्ताओं के साथ किसी भी तरह का अन्याय नहीं होने देंगे। इस दौरान पूर्व अध्यक्ष महावीर प्रसाद द्विवेदी, राजेंद्र प्रसाद सिंह, मनोज सिंह, बालकृष्ण पांडेय, शैलेश सिंह, राघवेंदर पाठक सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 29 दिसम्बर 2024 रविवार

सम्पादकीय

शिक्षा क्षेत्र में एक और प्रयोग

अब केंद्र सरकार ने शिक्षा नीति में उस फैसले में सुधार किया है, जिसमें पांचवीं व आठवीं में किसी छात्र को फेल न करके, अगली कक्षा में जाने का सरल रास्ता दे दिया गया था। कहा जा रहा था कि इस फैसले के चलते छात्रों द्वारा परीक्षाओं को गंभीरता से न लेने से शैक्षिक गुणवत्ता में गिरावट देखी जा रही थी। छात्रों को लगने लगा था कि जब वे फेल नहीं होंगे और अगली कक्षा में बिना पढ़े चले जाएंगे, तो पढ़ना किस लिए। जिसके चलते शैक्षिक स्तर में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही थी। दरअसल, पहले सरकार ने इस मुद्दे पर संवेदनशील व मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए छात्रों के प्रति उदार रवैया अपनाया। यह माना गया कि छात्रों को फेल करने से उनके आत्मसम्मान को ठेस लगती है। कतिपय स्थानों पर फेल होने के तनाव में आत्महत्या तक के मामले प्रकाश में आए थे। यही वजह थी कि विद्यार्थियों के स्वाभाविक विकास व उनका मनोबल ऊंचा रखने के लिये उन्हें फेल न करने की नीति अपनायी गई।

दरअसल, नो डिटेंशन नीति लागू करने का मकसद यही रहा कि वंचित व पिछड़े समाज के छात्रों को स्कूलों में अधिक से अधिक दाखिला पाने का मौका मिले। यह नीति राइट टू एजुकेशन का हिस्सा थी। दरअसल, इस नीति का मकसद स्कूलों में बेहतर वातावरण बनाना था जिससे बच्चे बिना किसी भय के नियमित स्कूल आते रहें। उन्हें फेल न करने की नीति का मकसद यह भी था कि वे फेल होने पर शर्म महसूस न करें। किसी तरह का तनाव न झेलें। लेकिन इस कोशिश का परिणाम यह हुआ कि बड़ी संख्या में छात्र पढ़ाई से विमुख होने लगे। उनके मन से परीक्षा की गंभीरता का भाव जाता रहा। यही वजह थी कि जुलाई 2018 में राइट टू एजुकेशन को संशोधित करने हेतु लोकसभा में बिल पेश किया गया। इसमें स्कूलों में लागू नो डिटेंशन पॉलिसी को खत्म करने का विचार किया गया। कालांतर 2019 में राज्य सभा में भी यह बिल पारित हुआ।

दरअसल, संशोधित नीति के अंतर्गत परीक्षाओं में फेल होने वाले विद्यार्थियों के लिये दो माह के भीतर पुनरू परीक्षा की व्यवस्था की गई। कहा गया कि पांचवीं व आठवीं के विद्यार्थियों के लिये नियमित परीक्षा करायी जाए। दरअसल, संसद में संशोधन बिल पारित होने के उपरांत राज्य सरकारों को छूट दी गई थी कि वे नो डिटेंशन नीति को हटा सकते हैं। इसे राज्यों के विवेक पर छोड़ा गया क्योंकि शिक्षा राज्यों का विषय होता है। बहरहाल, अब केंद्र सरकार ने शैक्षिक सुधारों की दिशा में कदम उठाते हुए नई नीति के तहत केंद्रीय विद्यालयों, नवोदय विद्यालयों तथा सैनिक स्कूलों में नो डिटेंशन नीति को खत्म कर दिया है। परीक्षा में अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों को एक और परीक्षा का मौका तो दिया जाएगा, लेकिन उन्हें स्कूल से निकाला नहीं जाएगा। दुबारा फेल होने पर वे उसी कक्षा में फिर से पढ़ाई करेंगे। निस्संदेह, फैसले के बाद छात्र इम्तिहानों को गंभीरता से लेने पर परीक्षाओं की गरिमा भी बरकरार रहेगी। दरअसल, सरकार की कोशिश रही है कि नई शिक्षा नीति उदार बनी रहे और इससे उनकी सीखने की प्रवृत्ति का विकास हो सके। यहां उल्लेखनीय है कि पहले ही बीस राज्य व केंद्रशासित प्रदेश नो डिटेंशन पॉलिसी को समाप्त कर चुके हैं। लेकिन यहां जरूरी है कि स्कूलों में शिक्षा के बुनियादी ढांचे को मजबूती दी जाए। इसके लिये आवश्यक है कि शिक्षा में छात्रों की रुचि बढ़ाने वाले पाठ्यक्रम लागू हों, व्यक्तिगत शिक्षण दृष्टिकोण तथा व्यापक शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम को बढ़ावा मिले। ऐसे में यदि छात्रों को प्रणालीगत विपलताओं का त्रास झेलना पड़े तो यह उनके प्रति अन्याय करने जैसा ही होगा। चिंता व्यक्त की जाती रही है कि नये फैसले से हाशिये पर रहने वाले समुदायों के बच्चों के साथ न्याय नहीं होगा। उनमें फेल होने के डर से स्कूल छोड़ने की प्रवृत्ति बढ़ सकती है। जिसकी आशंका तमिलनाडु जैसे राज्य पहले ही जता चुके हैं। चिंता जतायी जाती रही है कि ऐसे प्रयासों से शिक्षा के अधिकार की रचनात्मक पहल बाधित हो सकती है।

महाकुंभ मेला और यूपी की अर्थव्यवस्था

—अभिनव आकाश—

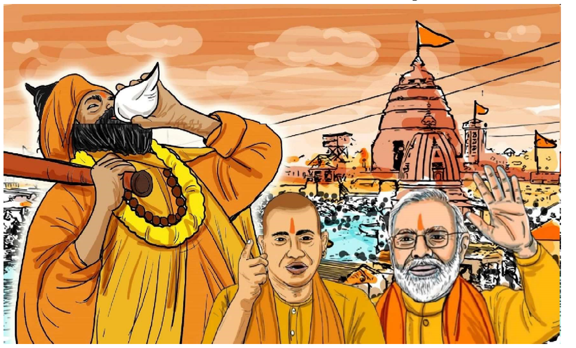

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 13 दिसंबर को महाकुंभ में कुंभ की स्थापना करने के साथ ही शहर के बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने के लिए 5500 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का शुभारंभ किया। इस मौके पर पीएम मोदी ने भी प्रयागराज महाकुंभ के आयोजन के प्रदेश की अर्थव्यवस्था पर प्रभाव का जिक्र किया।

दुनिया का सबसे बड़ा मेला जो 13 जनवरी से प्रयागराज में शुरू होगा। ये 26 फरवरी तक चलेगा। इन 45 दिनों में अंदाजन 45 करोड़ लोग महाकुंभ में हिस्सा लेंगे। आस्था नगरी प्रयागराज के महाकुंभ में तमाम साधु-संत श्रद्धालु और महात्मा हजारों किलोमीटर का सफर तय कर धर्म की नगरी में आस्था डुबकी लगाने के लिए पहुंच रहे हैं। धार्मिक उत्सव होने के साथ साथ महाकुंभ 2025 के आर्थिक गतिविधियों में भी तेजी लाएगा। कारोबारियों को भी महाकुंभ से काफी उम्मीदें हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 13 दिसंबर को महाकुंभ में कुंभ की स्थापना करने के साथ ही शहर के बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने के लिए 5500 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का शुभारंभ किया। इस मौके पर पीएम मोदी ने भी प्रयागराज महाकुंभ के आयोजन के प्रदेश की अर्थव्यवस्था पर प्रभाव का जिक्र किया।

कुंभ से जुड़े एक और पक्ष का पीएम मोदी ने जिक्र किया है। ये पक्ष कुंभ से आर्थिक गतिविधियों का विस्तार है। हम देख रहे हैं कि कैसे कुंभ से पहले भी इस क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियां तेजी से बढ़ रही थीं। संगम के तट पर करीब डेढ़ महीने के लिए एक अस्थायी शहर बसाया जाएगा जिसमें रोजाना लाखों लोग आएंगे। उन्होंने कहा कि इस दौरान प्रयागराज में व्यवस्था बनाए रखने के लिए बड़ी संख्या में लोगों की जरूरत होगी। 6,000 से अधिक नाविक, हजारों दुकानदार और धार्मिक अनुष्ठानों और पवित्र स्नान में सहायता करने वालों के काम में वृद्धि होगी, जिससे रोजगार के कई अवसर सृजित होंगे। यानी यहां बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर तैयार होंगे। सप्लाई चेन को बनाए रखने के लिए व्यापारियों को दूसरे शहरों से सामान मंगाने पड़ेंगे।

प्रयागराज कुंभ का प्रभाव आसपास के जिलों पर भी पड़ेगा। देश के दूसरे राज्यों से आने वाले श्रद्धालु रेल या विमान की सेवाएं लेंगे। इससे भी अर्थव्यवस्था में गति आएगी। यानी महाकुंभ से सामाजिक मजबूती तो मिलेगी ही लोगों का आर्थिक सशक्तिकरण भी होगा। यूपी सरकार धार्मिक सभा को बढ़ावा दे रही है, उम्मीद है कि इससे आध्यात्मिक और धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। टेम्पो संचालक, रिक्शा चालक, मंदिर स्थलों पर फूल बेचने वाले, यादगार वस्तुएं बेचने वाले, नाव संचालक और यहां तक घ्छकि होटल जैसे छोटे पैमाने के विक्रेताओं की कमाई स्थानीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देगी। कुंभ मेले के आसपास के पूरे पारिस्थितिकी तंत्र में बड़े पैमाने पर आर्थिक उछाल आने की उम्मीद है। ऐसी उम्मीदें हैं कि महाकुंभ वाराणसी, अयोध्या, मथुरा और विंध्यवासिनी धाम जैसे आसपास के धार्मिक स्थलों के लिए भी लाभदायक हो सकता है।

महाकुंभ मेला 4,000 हेक्टेयर में फैला होगा, जिसमें एक अस्थायी तम्बू शहर बनाया जाएगा। टाइम्स ऑफ इंडिया (टीओआई) की रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर प्रदेश सरकार इस विशाल धार्मिक आयोजन के आयोजन पर अनुमानित 7,500 करोड़ रुपये खर्च करेगी। महाकुंभ में भारत और दुनिया भर से 40 करोड़ तीर्थयात्रियों के आने की संभावना है। 2019 में, कुंभ मेले ने 25 करोड़ भक्तों को आकर्षित किया। यूपी सरकार के आर्थिक सलाहकार केवी राजू ने एक निजी मीडिया समूह से बात करते हुए कहा कि 2019 कुंभ मेले की तुलना में 2025 के महाकुंभ में 40 करोड़ से अधिक तीर्थयात्रियों का सैलाब उमड़ेगा। जब वे अपने घरों से बाहर निकलेंगे, पवित्र स्नान के लिए संगम पर पहुंचेंगे और घर लौटेंगे, तभी से आर्थिक गतिविधियां शुरू हो जाएंगी। अनुमान है कि आर्थिक गतिविधि का मूल्य 2 लाख करोड़ रुपये है।

महाकुंभ 2025 सिर्फ एक आध्यात्मिक समा नहीं है, यह एक विशाल आर्थिक इंजन है। उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह का कहना है कि हमारा ध्यान तीर्थयात्रियों के लिए एक सहज अनुभव सुनिश्चित करते हुए बुनियादी ढांचे, पर्यटन और रोजगार सृजन को बढ़ाने पर है। कुंभ मेला नोडल अधिकारी विजय आनंद के अनुसार, महाकुंभ से राज्य को करों, किराये और अन्य शुल्कों के माध्यम से 25,000 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो सकता है। 2 लाख करोड़ रुपये से 3 लाख करोड़ रुपये के बीच वित्तीय लेनदेन के साथ, धार्मिक मण्डली से स्थानीय अर्थव्यवस्था को महत्वपूर्ण लाभ होने की उम्मीद है।

यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने महाकुंभ के आर्थिक प्रभाव पर जोर देते हुए कहा कि प्रयागराज महाकुंभ में करोड़ों लोगों के आने से राज्य की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। इस आयोजन में देश दुनिया से करोड़ों लोग शामिल होंगे। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में सही राह पर है। सीएम योगी ने यूपी को 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में चल रहे प्रयासों और नीतियों पर भी चर्चा की। बीते 7 वर्षों के नियोजित प्रयासों से उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था आज सार्वकालिक सर्वश्रेष्ठ स्थिति में है। उत्तर प्रदेश आज देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में देश के विकास का ग्रोथ इंजन बन रहा है।

कट्टरपंथियों के वर्चस्व से बढ़ी वैश्विक चिंता

—डॉ. एन.के. सोमानी—

पिछले दिनों मिडिल ईस्ट के सीरिया में जो तख्तापलट की घटना हुई उसके बाद अरब स्प्रिंग फिर चर्चा के केन्द्र में आ गया है। अरब स्प्रिंग या क्रांति के दौरान मध्यपूर्व में दशकों से सत्ता के केन्द्र में रहे शाही परिवारों व सैन्यशासकों को रुख्सत होना पड़ा था। सैन्य शासकों की ज्यादतियों और तानाशाही के खिलाफ ट्यूनीशिया में जो चिंगारी सुलगी उसने अरब गणतंत्र की कई बड़ी शक्तियों को अपनी जद में ले लिया था। मिस्र के हुस्नी मुबारक हो या लीबिया के कर्नल गद्दाफी– इन तनाशाही शासकों को या तो देश छोड़कर भागना पड़ा या मौत के घाट उतार दिए गए। यमन के अली अब्दुल्ला सालेह के साथ भी ऐसा ही हुआ। तानाशाहों की सत्ता किस तरह से कुछ ही क्षणों में भरभराकर गिर जाती है, उस वक्त दुनिया ने देखा था। रूस और ईरान जैसी बड़ी ताकतों के साथ मिल जाने के कारण उस वक्त सीरिया का 'प्रेसिडेंशियल पैलेस' विद्रोहियों की पहुंच से बच गया था। अब जिस ढंग से सीरिया में तानाशाह राष्ट्रपति बशर–अल–असद को देश छोड़कर भागना पड़ा है उसे देखकर अरब स्प्रिंग की याद ताजा हो जाती है।

तख्तापलट के बाद विद्रोही गुट हयात तहरीर अल–शाम (एचटीएस) के नेता मोहम्मद अल–जुलानी ने मोहम्मद अल–बशीर को कार्यवाहक सरकार का मुखिया नियुक्त करते हुए जन सहमति से सरकार बनाने की बात कही है। उन्होंने अल्पसंख्यकों को सुरक्षा देने का वादा किया है। लेकिन साथ में उन्होंने यह भी कहा है कि शासन इस्लामिक सिद्धांतों पर आधारित होगा। इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएस) की वजह से सीरिया पहले से ही काफी खराब स्थिति में है। अब जुलानी की जिस तरह से इस्लामिक सिद्धांतों के आधार पर शासन चलाने की योजना है उससे वैश्विक समुदाय की चिंता बढ़ गई है। खासतौर से ईरान की।

तख्तापलट के बाद जिस तरह से विद्रोही गुट के लड़ाकों की ओर से असद समर्थकों पर अत्याचार की तस्वीरें सामने आ रही हैं, उसे देखते हुए यह सवाल उठने लगा है कि कहीं सीरिया फिर से आईएसआईएस की गिरफ्त में तो नहीं आ जाएगा। यह सवाल इसलिए भी अहम हो जाता है क्योंकि एचटीएस अलकायदा की कोख से ही निकला हुआ आतंकी संगठन है। सीरिया में शासन व्यवस्था का स्वरूप कैसा होगा यह देखना भी काफी दिलचस्प होगा। एचटीएस नेतृत्व वाले समूह में तुर्किये की समर्थन वाली सीरिया राष्ट्रीय सेना अर्थात्‌ एसडीएफ के शामिल होने की बात भी कही जा रही है। अगर ऐसा होता है तो सीरिया की पूरी व्यवस्था एचटीएस, कुर्द, एसडीएफ और स्थानीय मिलिशिया समूहों में बंटी हुई दिखाई देगी।

ऐसे में अत्याधुनिक हथियारों से सुसज्जित और परस्पर विपरीत हितों के लिए संघर्षरत इन गुटों के बीच एकता और शांति की बात करना हाथी को सूई के छेद से निकालने के बराबर होगा। ऐसे में सीरिया और उसकी अवाम का भविष्य क्या होगा, यह प्रश्न भी कौतूहल बढ़ा रहा है। पूरे घटनाक्रम का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि क्रांति के दौरान रूस और ईरान जैसे देशों द्वारा राष्ट्रपति बशर–अल–असद और उनके समर्थकों को जो हथियार दिए गए थे, उनका क्या होगा। हथियारों का यह जखीरा सीरिया की सत्ता पर काबिज चरमपंथी गुटों के हाथ लग गया तो इसका उपयोग वह कब, कहां और किस रूप में करेंगे, यह प्रश्न सीरियाई अवाम के लिए जितना चिंताजनक है, उससे कहीं अधिक विश्व समुदाय के लिए भी है।

कुल 3.35 करोड़ की आबादी वाला सीरिया आर्थिक व भू–राजनीतिक दृष्टि से पश्चिम एशिया का अत्यंत महत्वपूर्ण देश है। इसकी सीमाएं इराक, तुर्किये, जॉर्डन, लेबनान व इस्राइल जैसे देशों से लगती है। सीरिया पर नियंत्रण अहम व्यापार मार्गों, ऊर्जा गलियारों तक पहुंच प्रदान करता है। पश्चिमी एशिया में वह रूस का सबसे भरोसेमंद पार्टनर रहा है। ऐसे में सवाल यह भी उठ रहा है कि अचानक असद की सत्ता का अंत कैसे हो गया।

दरअसल, अरब स्प्रिंग के दौरान जब सीरिया में बशर–अल–असद के खिलाफ प्रदर्शनों का सिलसिला शुरू हुआ तो उस वक्त रूस और ईरान की मदद से असद उसे कुचलने में कामयाब हो गये थे। लेकिन अब स्थिति पूरी तरह से बदल चुकी है। रूस और ईरान दोनों ही अपनी–अपनी समस्याओं में उलझे हुए हैं। पुतिन यूक्रेन को निपटाने में व्यस्त हैं। अली खामेनेई इस्राइली मोर्चे पर डटे हुए हैं। रणनीतिक हित और भू–राजनीतिक स्थितियां भी दोनों नेताओं के हाथ बांधे हुए हैं। रूस को लगता है कि यूक्रेन युद्ध अब अपने अंतिम चरण में है। ऐसे में वह यूक्रेन के अधिक से अधिक भू–भाग पर कब्जा करना चाहता है ताकि संघर्ष विराम की स्थिति में वह उसे अपने पास रख सके। इस रणनीतिक हित के कारण वह अपनी पूरी सैन्य क्षमता के साथ यूक्रेन के मोर्चे पर डटे रहना चाहता है। दशकों तक असद की ढाल बने रहने वाला ईरान भी हमास और हिजबुल्ला के सर्वोच्च कमांडरों के मारे जाने के बाद खौफ की स्थिति में है। अमेरिका और इस्राइली हमले के अंदेशे के चलते वह सीरिया में सीधे हस्तक्षेप से बच रहा है। लब्बोलुआब यह कि 2011 जैसी स्थिति अब नहीं थी। ऐसे में रूस और ईरान की नाक का बाल बने असद अकेले पड़ गए थे। विद्रोही गुटों ने हालात का फायदा उठाया और दमिश्क पर चढ़ाई कर दी।

हालांकि, पिछले कई वर्षों से असद की शिया सरकार और विभिन्न चरमपंथी गुटों के बीच संघर्ष चल रहा था। लेकिन जिस नाटकीय ढंग से असद सरकार का पतन हुआ और जिस तरह से वहां की फौज ने बिना लड़े ही हथियार डाले हैं, उस पर भी सवाल उठ रहे हैं। अब असद सरकार के पतन के बाद जिस तरह से इस्राइली सेनाओं द्वारा गोलान के पहाड़ी रास्तों से सीरिया के अंदर हमले करने के समाचार आ रहे हैं, उससे शक की सूई मोसाद (इस्राइल की खुफिया एजेंसी) की ओर भी घूम रही है। पश्चिम एशिया में इस्राइल ही एक ऐसा देश है जिसे असद सरकार के पतन का सबसे बड़ा लाभकारी पक्ष कहा जा रहा है। वह शुरू से ही यहां सीमाओं के विस्तार और बफर जोन के निर्माण की नीति में जुटा हुआ है। सीरियाई सेना की क्षमता को कुंद करना उसका इसी नीति का हिस्सा हो सकता है।

हालांकि, असद सरकार के पतन के बाद अब दुनिया के कई ताकतवर देश वहां हालात सामान्य बनाने की कोशिशों में लगे हुए हैं लेकिन अफगानिस्तान में तालिबान की वापसी के बाद जिस तरह से दुनिया के अलग–अलग हिस्सों में इस्लामिक चरमपंथ का उभार हो रहा है, उसे देखते हुए सीरिया की सत्ता पर काबिज एचटीएस लोकतांत्रिक व्यवस्था के मार्ग पर आगे बढ़ेगा, यह संदेहास्पद ही है।–लेखक अंतर्राष्ट्रीय मामलों के प्राध्यापक है।

प्रखर बुद्धि व अद्वितीय विनम्रता के पर्याय थे मनमोहन सिंह

—ललित गर्ग—

भारत के धुरंधर अर्थशास्त्री, प्रशासक, कद्दावर नेता, दो बार प्रधानमंत्री रह चुके डॉ. मनमोहन सिंह का 92 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उनके निधन से आर्थिक सुधार का महासूर्य अस्त हो गया, भारतीय राजनीति में एक संभावनाओं भरा राजनीति सफर ठहर गया, जो राष्ट्र के लिये एक गहरा आघात है, अपूरणीय क्षति है। वे निश्चित ही आर्थिक सुधारों एवं उदारीकरण के नींव के पत्थर थे, मील के पत्थर थे। वे आर्थिक सुधार की बुलंद आवाज थे। उन्हें आर्थिक सुधार, भारत में वैश्विक बाजार व्यवस्था एवं उदारीकरण का जनक कहा जा सकता है। जिन्होंने न केवल देश–विदेश के लोगों का दिल जीता है, बल्कि विरोधियों के दिल में भी जगह बनाकर, अमिट यादों को जन–जन के हृदय में स्थापित कर हमसे जुदा हो गये हैं। डॉ. सिंह यह नाम भारतीय इतिहास का एक ऐसा स्वर्णिम पृष्ठ है, जिससे एक सशक्त राष्ट्रनायक, स्वप्नदर्शी राजनायक, आदर्श चिन्तक, भारत में नये अर्थ के निर्माता, कुशल प्रशासक, दार्शनिक के साथ–साथ भारत को आर्थिक महाशक्ति का एक खास रंग देने की महक उठती है। उनके व्यक्तित्व के इतने रूप हैं, इतने आयाम हैं, इतने रंग है, इतने दृष्टिकोण हैं, जिनमें वे व्यक्ति और नायक हैं, दार्शनिक और चिंतक हैं, प्रबुद्ध और प्रधान है, शासक एवं लोकतंत्र उन्नायक हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने डॉ. सिंह के निधन पर कहा है कि जीवन के हर क्षेत्र में उपलब्धियां हासिल करना आसान बात नहीं है। एक नेक इंसान के रूप में, एक विद्वान अर्थशास्त्री के रूप में उन्हें हमेशा याद किया जाएगा।'

दो बार देश के प्रधानमंत्री रहे डॉ. मनमोहन सिंह ने पांच दशक तक सक्रिय राजनीति की, अनेक पदों पर रहे, केंद्रीय वित्त मंत्री व प्रधानमंत्री– पर वे सदा दूसरों से भिन्न रहे, अनूठे रहे। घाल–मेल से दूर। भ्रष्ट राजनीति में बेदाग। विचारों में निडर। टूटते मूल्यों में अडिग। घेरे तोड़कर निकलती भीड़ में मर्यादित। वे भारत के इतिहास में उन चुनिंदा नेताओं में शामिल हैं जिन्होंने सिर्फ अपने नाम, व्यक्तित्व और करिश्मे के बूते पर न केवल सरकार चलाई बल्कि एक नयी सोच की राजनीति को पनपाया, पारदर्शी एवं सुशासन को सुदृढ़ किया। विलक्षण प्रतिभा, राजनीतिक कौशल, कुशल नेतृत्व क्षमता, बेवाक सोच, निर्णय क्षमता, दूरदर्शिता और बुद्धिमत्ता के कारण कांग्रेस के सभी नेता उनका लोहा मानते रहे, उनके लिये वे मार्गदर्शक भी नहीं, प्रेरणास्रोत भी है। वे बेहद नम्र इंसान थे और वह अहंकार से कोसों दूर थे। उनके प्रभावी एवं बेवाक व्यक्तित्व से भारतीय राजनीति एवं लोकतांत्रिक संस्थान चमकते रहे हैं। डॉ. सिंह ने भारत की अर्थव्यवस्था को वैश्विक बाजारों के लिए खोलने के लिए उदारीकरण सुधार लागू किए। साथ ही, उन्होंने लाइसेंस राज समाप्त कर, निजीकरण और राज्य नियंत्रण में कमी की। डॉ. सिंह द्वारा विदेशी निवेश को आकर्षित करने के साथ निर्यात को प्रोत्साहित किया गया।

डॉ. सिंह का जन्म ब्रिटिश भारत के पंजाब में 26 सितम्बर 1932 को हुआ था। उनकी जन्मतिथि भी 26 एवं निधन तिथि भी 26 एक संयोग ही कहा जायेगा। उनकी माता का नाम अमृत कौर और पिता का नाम गुरुमुख सिंह था। देश के विभाजन के बाद सिंह का परिवार भारत चला आया। डॉ. सिंह की पत्नी का नाम गुरशरण कौर है, जो कि एक गृहिणी और गायिका भी हैं। उनके तीन बेटियां हैं। पंजाब विश्वविद्यालय से उन्होंने स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तर की पढ़ाई पूरी की। बाद में वे कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय गये। जहाँ से उन्होंने पीएच. डी. की। तत्पश्चात्‌ उन्होंने आक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से डी. फिल. भी किया। डॉ० सिंह ने अर्थशास्त्र के अध्यापक के तौर पर काफी ख्याति अर्जित की। वे पंजाब विश्वविद्यालय और बाद में प्रतिष्ठित दिल्ली स्कूल ऑफ इकनामिक्स में प्राध्यापक रहे। इसी बीच वे संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास सम्मेलन सचिवालय में सलाहकार भी रहे और 1987 तथा 1990 में जेनेवा में साउथ कमीशन में सचिव भी रहे। 1971 में डॉ० सिंह भारत के वाणिज्य एवं उद्योग मन्त्रालय में आर्थिक सलाहकार के तौर पर नियुक्त किये गये। इसके तुरन्त बाद 1972 में उन्हें वित्त मंत्रालय में मुख्य आर्थिक सलाहकार बनाया गया। इसके बाद के वर्षों में वे योजना आयोग के उपाध्यक्ष, रिजर्व बैंक के गवर्नर, प्रधानमन्त्री के आर्थिक सलाहकार और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष भी रहे हैं। भारत के आर्थिक इतिहास में हाल के वर्षों में सबसे महत्वपूर्ण मोड़ तब आया जब डॉ० सिंह 1991 से 1996 तक भारत के वित्त मन्त्री रहे। डॉ. सिंह ने भारत के 13वें प्रधानमंत्री के रूप में लगातार दो कार्यकाल पूरे किए हैं।

पहले कार्यकाल के दौरान उन्होंने राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम लागू किया। वहीं सूचना का अधिकार अधिनियम भी उनके कार्यकाल में आया। इसके अतिरिक्त उन्हें ऐतिहासिक भारत–अमेरिका असैन्य परमाणु समझौता पर हस्ताक्षर के लिए भी जाना जाता है। दूसरे कार्यकाल में उन्होंने बुनियादी ढांचे के विकास और सामाजिक कल्याण योजनाओं पर ध्यान केंद्रित किया। हालांकि, इस दौरान उन्हें 2जी स्पेक्ट्रम घोटाला और राष्ट्रमंडल खेल घोटाले जैसे विवादों का भी सामना करना पड़ा। यह बात हम सभी जानते हैं कि उन्हें मौन पीएम भी कहा जाता था, हालांकि उन्होंने इस पर चुप्पी तोड़ते हुए सार्वजनिक रूप से इसका सटीक जवाब भी दिया था। विकास के प्रति डॉ. सिंह की प्रतिबद्धता और उनकी अनेक उपलब्धियों को उन अनेक सम्मानों के माध्यम से मान्यता मिली है जो उन्हें प्रदान किए गए हैं। इनमें 1987 में पद्म विभूषण, 1993 में वित्त मंत्री के लिए यूरो मनी पुरस्कार, 1993 और 1994 में वित्त मंत्री के लिए एशिया मनी पुरस्कार और 1995 में भारतीय विज्ञान कांग्रेस का जवाहरलाल नेहरू जन्म शताब्दी पुरस्कार शामिल हैं। जवाहर लाल नेहरू के बाद मनमोहन दूसरे ऐसे व्यक्ति थे, जिन्होंने प्रधानमंत्री के तौर पर दो कार्यकाल पूरा किया। उन्हें अपने फैसलों के लिए काफी अडिग माना जाता है।

2004 से 2014 तक, भारत दसवें स्थान से उठकर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया, जिससे लाखों लोगों का जीवन स्तर सुधरा और गरीबी में कमी आई। डॉ. सिंह के दृष्टिकोण में केवल उच्च विकास नहीं, बल्कि समावेशी विकास और उस विश्वास की भी अहमियत थी जो सभी को ऊपर उठाने वाली लहरें उत्पन्न कर सके। यह विश्वास उनके द्वारा पारित किए गए विधेयकों में दिखाई देता है, जिनसे नागरिकों को भोजन का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, काम का अधिकार और सूचना का अधिकार सुनिश्चित हुआ। डॉ. सिंह की अधिकार–आधारित क्रांति ने भारतीय राजनीति में एक नए युग की शुरुआत की, जो समाज के प्रत्येक वर्ग को समान अवसर प्रदान करने का संकल्प था। प्रधानमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल में समृद्धि और विकास की कहानी लिखी गयी। जुलाई 1991 में, डॉ. सिंह ने अपने बजट भाषण के अंत में कहा था, 'भारत का दुनिया की प्रमुख आर्थिक शक्ति के रूप में उदय एक ऐसा विचार है, जिसका समय अब आ चुका है।' डॉ. सिंह को न केवल उनके विजन के लिए जाना जाता है, जिसने भारत को एक आर्थिक महाशक्ति बनाया, बल्कि उनकी कड़ी मेहनत और उनके विनम्र, मृदुभाषी व्यवहार के लिए भी जाना जाता है। वह एक ऐसे प्रधानमंत्री हैं जिन्हें न केवल उन छलांगों और सीमाओं के लिए याद किया जाएगा, जिनसे उन्होंने भारत को आगे बढ़ाया, बल्कि एक विचारशील और ईमानदार व्यक्ति के रूप में भी याद किया।

चाचा ने अपनी पांच वर्षीय भतीजी का किया रेप, हालत बिगड़ी तो छोड़कर हुआ फरार

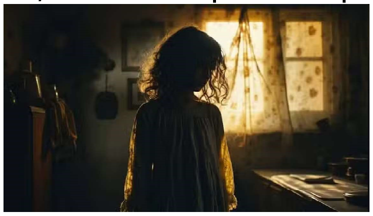

संवाददाता—श्रावस्ती। जिले से रिश्तों को शर्मसार करने की घटना सामने आई है। सगे चाचा ने अपनी पांच वर्षीय भतीजी के साथ दुष्कर्म किया और हालत बिगड़ने पर उसे छोड़कर मौके से फरार हो गई। जिले से रिश्तों को शर्मसार करने की घटना सामने आई है। सगे चाचा ने अपनी पांच वर्षीय भतीजी के साथ दुष्कर्म किया और हालत बिगड़ने पर उसे छोड़कर मौके से फरार हो गई। जानकारी होने पर बालिका की मां ने थाने में तहरीर देकर कार्रवाई को मांग की। बालिका को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। बच्ची का इलाज जारी है। मां की तहरीर पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। बच्ची की हालत में सुधार होने पर उसके बयान दर्ज किए जाएंगे। जानकारी के अनुसार हरदत्त नगर गिरंट थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी पांच वर्षीय बालिका को शुक्रवार शाम को उसका चाचा घर से साथ लेकर चल गया। उसके बाद गांव के बाहर स्थित प्राथमिक विद्यालय के पीछे ले जाकर बालिका के साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। बालिका की हालत बिगड़ने पर युवक उसे वहीं छोड़कर फरार हो गया। सूचना पर बालिका की मां घटनास्थल पर पहुंची। इसके बाद थाने पहुंचकर तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की।

तहरीर पर पुलिस ने आरोपित के विरुद्ध मामला दर्ज कर बालिका को जिला अस्पताल भिनगा में भर्ती कराया। जहां बालिका का इलाज चल रहा है। पुलिस आरोपित की तलाश कर रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपी को पकड़कर उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस मां की तहरीर के आधार पर आस–पास के इलाके की जांच कर रही है।

आस–पास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं। साथ ही आरोपी के रिश्तेदारों की जानकारी निकाली जा रही है जिससे आरोपी को पकड़ा जा सके। पुलिस का कहना है कि बच्ची का इलाज जारी है। वहीं, मां ने आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। मां का कहना है कि बच्ची बेहद बुरी हालत में मिली थी।

प्रेमी युगल के आगे झुका परिवार, मंदिर में हुई शादी

संवाददाता—देवरिया। गौरीबाजार क्षेत्र के एक प्रेमी युगल की जिद्द आगे परिवार को झुकना पड़ गया। दोनों ने गांव के दुर्गा मंदिर में अपनी शादी रचा ली। मंदिर हो रही शादी की भनक लगते ही ग्रामीणों की भीड़ इकट्ठा हो गई। प्रेमी युगल के गांवों के प्रधान व मंदिर के पुजारी इस शादी के साक्षी बने।

गौरीबाजार के करजही का शनि गोड़ (20) पुत्र प्रह्लाद कुछ वर्ष पहले बखरा में एक शादी समारोह में गया था। उसी दौरान उस गांव की युवती रितु (19) से उसकी आंखें चार हो गईं। दोनों एकदूसरे से मोबाइल से बात करने लगे। प्रेम परवान चढ़ा तो एकदूसरे से शादी करने का मन बना लिया। इसी बीच युवती के परिवार वाले किसी अन्य जगह शादी की बात चलाने लगे। युवती ने यह बात अपने प्रेमी को बताई तो दोनों भाग कर शादी करने की योजना बनाने लगे।

प्रेमी क्रिसमस डे के दिन बखरा के दुर्गा मंदिर पर अपने मासूका से मिलने पहुंचा तो युवती के परिवार को भनक लग गई। मिलने से मना किया तो दोंनों शादी के जिद्द पर अड़ गए। प्रेमी युगल के जिद्द को देखते हुए उनके परिवार वालों झुकना पड़ा। आनन–फानन में दोनों ने बखरा दुर्गा मंदिर में पुजारी, ग्रामप्रधान व परिवार वालों की मौजूदगी में शादी रचा लिया। मंदिर में प्रेमी युगल की शादी की भनक लगते ही ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। प्रेमी युगल की शादी का वायरल वीडियो लोगों में चर्चा का विषय बना है। वहीं प्रेमी युगल के परिवारों का कहना है कि आज की युवा पीढ़ी खुद के निर्णयों को ही सही ठहरा रहे हैं।

पुलिस एनकाउंटर में बदमाश को लगी गोली ज्वेलर्स शाप में चोरी के 4 आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता—महराजगंज। पुलिस ने परतावल स्थित हाजी ज्वेलर्स शॉप में चोरी करने वाले चार आरोपियों को देर रात मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस की घेराबंदी पर बदमाशों की ओर से फायरिंग होने लगी। जवाब में पुलिस ने फायर किया तो एक बदमाश के पैर में गोली लगी है। आरोपियों के पास दो किलो के करीब चांदी, दस ग्राम सोना और पांच हजार नगदी बरामद कर हुई है। बीते 4–5 दिसंबर की रात इस दुकान का ताला तोड़कर भीषण चोरी हुई थी। पुलिस की कई टीमें इसके खुलासे में लगी थीं। शुक्रवार की रात पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि अंतर्राज्यीय चोर गिरोह के कुछ सदस्य चोरी की फिराक में हैं। श्यामदेउरवा थाना के चौपरिया नहर के पास सूचना पर पुलिस टीमों ने घेराबंदी शुरू की। एसपी के निर्देश पर श्यामदेउरवा, पनियरा, भिटौली, नौतनवा के थाना पुलिस के साथ जिले की स्वाट और एसओजी टीम ने बदमाशों का घेरना शुरू किया। इसी दौरान बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक चोर को पैर में गोली लगी, जबकि तीन चोरों को पुलिस ने पकड़ लिया। घायल चोर को पुलिस इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परतावल ले गई, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक इलाज के बाद जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया।

घायल चोर की पहचान यूपी के शाजहापुर जिले के निगोही थाने के इशापुर निवासी बबलू के रूप में हुई है। अन्य पकड़े गए आरोपी भी उसी गांव के डोरी, कल्ला एवं टिल्लू हैं। महाराजगंज के परतावल निवासी हाजी मुर्तुजा हुसैन उर्फ रिंकू की परतावल चौक के पनियरा रोड पर हाजी ज्वेलर्स की दुकान हैं। 5 दिसंबर की देर रात चोर पीछे से नकब काटकर दुकान के अंदर घुस गए और दुकान में रखा दस किलो चांदी एवं सौ ग्राम सोना सहीत 40 हजार नकदी चोर उठा ले गए। एसपी सोमेन्द्र मीना ने मामले की गंभीरता को देखते हुए चोरों की तलाशी के लिए सात टीम का गठन कर दिया। इसके अलावा एफएसएल टीम ने मौके से महत्वपूर्ण साक्ष्य भी जुटा लिये थे।घटना की सूचना पर एसपी समेत मौके पर पुलिस के आला अफसर भी पहुंचे थे। मामले की जांच करते हुए टीम ने घटना के समय के घटना स्थल, मुख्य मार्गो व परतावल के बाहर निकलने वाले हर रास्ते के सीसीटीवी फुटेज चौक किया चोरों ने हाजी ज्वेलर्स में लगे सीसीटीवी का डीवीआर उठा ले गए थे। हाजी ज्वेलर्स के बगल में मौजूद किराने की दुकान का सीसीटटीवी का फुटेज चोरी की घटना के पर्दाफाश में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पुलिस से मुठभेड़ में एक बदमाश घायल, चोरी की गई नकदी व जेवरात बरामद

संवाददाता—गोण्डा। जिले के देहात कोतवाली क्षेत्र में पुलिस और एसओजी टीम ने शुक्रवार देररात खोरहंसा चौकी क्षेत्र में मुठभेड़ के बाद एक बदमाश को दबोच लिया है। मुठभेड़ के दौरान पैर में गोली लगने से बदमाश जख्मी हो गया। उसे पुलिस ने तत्काल बाबू ईश्वर शरण अस्पताल पहुंचाया। एसपी विनीत जायसवाल ने अस्पताल पहुंच कर मामले की जानकारी ली।

एसपी विनीत जायसवाल ने बताया कि मुठभेड़ में घायल आरोपी पुजारी उर्फ नीरज पुत्र डाकिया निवासी ग्राम दत्तनगर विशेन थाना कोतवाली नगर का रहने वाला है। उसके कब्जे से करीब 900 ग्राम चांदी के आभूषण, सोने का मांग टीका और कानों के टॉप्स बरामद किए गए हैं। बकौल एसपी आरोपी का एक साथी दिन में सिल बट्टा बेचने के दौरान घरों की रेकी करता था। पुख्ता जानकारी मिलने के बाद रात में घटना को अंजाम दिया जाता था। उधर, गोंडा के ही परसपुर थाना क्षेत्र के ग्राम मधईपुर कुर्मी के छोटी रामबारी में चेतन पुत्र राम किशोर के घर बीते बुधवार को पांच हजार रुपये नगदी, मोबाइल फोन और कृषि उपकरण की चोरी की घटना हुई थी। इस मामले में पीड़ि्त का आरोप है कि पुलिस घटना की रिपोर्ट नहीं दर्ज कर रही है। पुलिस को दी तहरीर में चेतन ने बताया है कि वह बुधवार को अपनी झोपड़ी में मोबाइल फोन और जैकेट में रखे रुपये सिरहाने रख सो गया। सुबह उठने पर उसे चोरी होने की जानकारी हुई। इंस्पेक्टर दिनेश सिंह ने बताया कि लगता नहीं है कि उसका रुपया गायब हुआ है, फिर भी छानबीन की जा रही है।

बीपीएससी पीजीटी में परतावल के अरविन्द को दूसरा स्थान

संवाददाता—महरारजगंज। पंचायत इंटर कॉलेज परतावल बाजार के शिक्षक अरविंद कुमार रॉय ने बिहार पब्लिक सर्विस कमीशन (बीपीएससी) पीजीटी की परीक्षा में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। पुरुष वर्ग में पहला स्थान है। अरविंद बीपीएससी में जूनियर हाईस्कूल में सहायक शिक्षक पद पर भी चयन हुआ है। अभी काउंसलिंग नहीं आई है। इसी बीच बीपीएससी में चयन के बाद अरविंद अब इंटर कॉलेज में प्रवक्ता बनेंगे। परतावल क्षेत्र में अमवा गांव के निवासी अरविंद कुमार रॉय दो भाई व एक बहन में सबसे बड़े हैं। पिता हरिलाल दिल्ली में कारोबारी हैं। पूरा परिवार वहीं रहता है। छोटा भाई सीए की तैयारी कर रहा है। अरविंद रॉय की स्कूलिंग दिल्ली में ही हुई है। दिल्ली विश्वविद्यालय से स्नातक के बाद अरविंद ने दीन दयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय गोरखपुर से अर्थशास्त्र से परास्नातक किया है। वर्तमान समय में वह पंचायत इंटर कॉलेज में अध्यापन कार्य कर रहे हैं। बीपीएससी में सफलता पर पंचायत इंटर कॉलेज के संरक्षक धीरेंद्र कृष्ण त्रिपाठी, प्रबंधक जयंती त्रिपाठी, प्रध ाानाचार्य डॉ. दीनबंधु शुक्ल, विज्ञान संकाय के प्रभारी आनंद सोनी, अजीत श्रीवास्तव, डॉ. अंशुमान त्रिपाठी, विनोद त्रिपाठी, धर्मेन्द्र सिंह, सोनू विश्वकर्मा, रवि दुबे, महेंद्र यादव आदि ने बधाई दी है।

सड़क हादसों में लोडर चालक समेत दो की मौत, चार लोग घायल, लोडर काटकर निकाले गए घायल

संवाददाता—बहराइच। अलग–अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसों में लोडर चालक समेत दो की मौत हो गई। जबकि चार लोग घायल हो गए। स्थानीय पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क किनारे कराया। वहीं, घायलों को अस्पताल भेजा। विशेश्वरगंज थाना के सामने शुक्रवार की देर रात गोंडा की ओर से आ रही डिपो बस और विशेश्वरगंज से गोंडा की तरफ जा रही लोडर में भीषण टक्कर हो गई। हादसे में दोनो वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। लोडर चालक गोंडा जिले के देहात कोतवाली खिरौरामोहन गांव निवासी रामबहादुर (32) की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं खलासी रजत उपाध्याय (22) घायल हो गया। वहीं बस सवार कुछ यात्री मामूली रूप से चुटहिल हुए।

पुलिस ने हादसे के बाद लोडर को गैस कटर से काटकर घायलों को बाहर निकाला। मृतक के भाई चौधरी चरन ने बताया रामबहादुर गोंडा से बहराइच गद्दा उताकर वापस लौट रहे थे। विशेश्वरगंज थाना के सामने डिपो बस ने टक्कर मार दी। बताया कि रामबहादुर को दो बेटे हैं। मौत से पत्नी निर्मला देवी, पिता हरिशंकर समेत अन्य परिजनों में कोहराम है। विशेश्वरगंज थानाध्यक्ष नवीन कुमार सिंह ने बताया घटना के समय बस में लगभग 25 यात्री सवार थे। परिजनों द्वारा तहरीर मिलने पर चालक पर केस दर्ज किया जाएगा। सीतापुर जनपद के भुसना सदरपुर निवासी बाइक सवार संदीप कुमार (32) की मेडिकल कॉलेज बहराइच में शुक्रवार की रात मौत हो गई। मृतक के परिजनों ने पुलिस को बताया वे बहराइच से घर वापस लौट रहे थे। रास्ते में सीतापुर जनपद के रेउसा के भर्था गांव के पास ट्रक ने टक्कर मार दी। पुलिस ने एंबुलेंस से अस्पताल भिजवाया, जहां मौत हो गई। हेलमेट लगाए होने की जानकारी दी। मौत से परिजन बदहवास है।

शहर के वसीरगंज निवासी बाइक सवार रेहान अंसारी (35), जुनैद खान (32) और समीर (28) शुक्रवार को देहात कोतवाली के गोलवाघाट के पास बाइक के सामने अचानक मवेशी आने से टकराकर गिर गए। राहगीरों ने एंबुलेंस से अस्पताल भिजवाया।

पुलिस भर्तीः परीक्षा में फेल, फर्जी प्रवेश पत्र बनाकर शारीरिक मानक परीक्षण को पहुंची महिला अभ्यर्थी पकड़ी गई

संवाददाता—श्रावस्ती। पुलिस भर्ती परीक्षा में असफल युवती शुक्रवार को फर्जी प्रवेश पत्र लेकर संवीक्षा व शारीरिक मानक परीक्षण के लिए पुलिस लाइन पहुंच गई। प्रवेश पत्र फर्जी मिलने पर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। उसके विरुद्ध भिनगा कोतवाली में केस दर्ज कराया गया है। अपर पुलिस अधीक्षक प्रवीण कुमार यादव ने बताया कि पुलिस लाइन में पुलिस भर्ती के संवीक्षा व शारीरिक मानक परीक्षण कराया जा रहा था। इस दौरान महिला अभ्यर्थी रिचा सिंह पुत्री राधेश्याम सिंह निवासी फरदा सुमेरपुर थाना पयागपुर जिला बहराइच ने कूट रचित प्रवेश पत्र प्रस्तुत किया। जांच के दौरान पाया गया कि प्रवेश पत्र में दर्ज रोल नंबर फर्जी था। यह किसी अन्य अभ्यर्थी का था। साथ ही यह भी खुलासा हुआ कि महिला अभ्यर्थी परीक्षा में फेल हो गई थी। इसके बावजूद उसने स्वीट स्नैप एप के माध्यम से अपने प्रवेश पत्र को एडिट कर उत्तीर्ण अभ्यर्थी का अनुक्रमांक जोड़कर फर्जी दस्तावेज तैयार किया।

इस मामले में प्रभारी पुलिस परीक्षा भर्ती बोर्ड श्रावस्ती के निरीक्षक श्याम बहादुर सिंह ने युवती के टैबलेट और प्रपत्रों को कब्जे में लेकर भिनगा कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया गया है। वहीं आरोपी रिचा सिंह को रोडवेज बस स्टाप से गिरफ्तार कर लिया गया है।

ट्रेन की चपेट में आने से अधेड़ का कटा पैर

संवाददाता—देवरिया। बरहज रेलवे स्टेशन पर शनिवार को सुबह बरहज से सलेमपुर जाने वाली ट्रेन की चपेट में आने से अधेड़ का पैर कट गया। आसपास के लोग उसे इलाज के लिए सीएचसी पर ले गए। चिकित्सक ने स्थिति गम्भीर देख उसे देवरिया मेडिकल कालेज के लिए रेफर कर दिया।

बरहज थाना क्षेत्र के ग्राम भोसीमपुर के रहने वाले विनय प्रसाद (45) किसी काम से बरहज आये थे। गाँव जाने के लिए ट्रेन पर चढ़ रहे थे। इसी बीच ट्रेन चल दी, जिससे उनका पैर सीढ़ी से फिसल गया और नीचे गिर गए। ट्रैक पर पैर आ जाने से उसके दोनों पैर कट गए और शरीर पर गम्भीर चोटें आई। शोर सुनकर चालक ने ट्रेन रोक दी। इसके बाद उन्हें बाहर निकाला गया। लोगों ने पुलिस को सूचना और एम्बुलेंस से अस्पताल पहुंचाया।

पानी टंकी का निर्माण अधूरा, पेयजल संकट को लेकर ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

संवाददाता—बलरामपुर। स्थानीय ब्लॉक के गनवरिया लक्ष्मनपुर गांव में दो साल बाद भी पानी टंकी का निर्माण पूरा नहीं हो पाया है। पानी टंकी का काम अधूरा होने से ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल नहीं मिल पा रहा है। पेयजल संकट से जूझ रहे ग्रामीणों ने शनिवार को विभागीय लापरवाही के खिलाफ आक्रोश जताते हुए विरोध प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने जल्द से जल्द पानी टंकी का निर्माण कार्य पूरा करवाकर जलापूर्ति शुरू कराए जाने की मांग जिलाधिकारी से की है। प्रधान प्रतिनिधि संजय सिंह के नेतृत्व में तिलकराम वर्मा, नीबर वर्मा, लालजी मिश्र, राम फकीरे, बड़कऊ, रामचंद्र, विनय कुमार, मेवालाल, गिरधारी प्रसाद, ननके, रिजवान, जगदेव, पेशकार, अमरेश वर्मा, रामदुलारे, ननके, रामकुमार, सत्रोहन, सोहनलाल, दीनानाथ यादव तथा नाथूराम आदि ने शनिवार को गांव में ही विरोध प्रदर्शन करते हुए नारेबाजी की।

ग्रामीणों ने कहा कि गनवरिया लक्ष्मनपुर गांव में स्वच्छ जल उपलब्ध ा कराने के उद्देश्य से जल जीवन मिशन, नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की तरफ से 209. 25 लाख रुपए की लागत से पानी टंकी का निर्माण कराने के लिए वर्ष 2022 में ही कार्य शुरू किया गया था। 24 सितंबर 2024 तक निर्माण कार्य पूरा होना था, लेकिन कार्यदाई संस्था ने अभीतक कार्य पूरा नहीं किया है।

इतना ही नहीं बोरिंग किए बिना ही बाउंड्रीवाल बनाकर कार्यदाई संस्था फरार हो गई है। यह ब्लाक हार्ड एरिया में आने के कारण यहां गहरी बोरिंग करके हैंडपंप नहीं लगाया जा सकता है। ऐसे में पानी टंकी का निर्माण अधूरा होने से ग्रामीण दूषित पानी पीने को विवश हैं। इन लोगों ने पेयजल संकट से निजात दिलाए जाने की मांग करते हुए चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र ही पानी टंकी का निर्माण कार्य पूरा नहीं कराया गया तो हम लोग जिला मुख्यालय पहुंचकर धरना–प्रदर्शन करेंगे। ग्राम प्रधान रूबी सिंह ने बताया कि पानी टंकी का निर्माण कार्य पूरा कराने के लिए संबंधित अधिकारियों से कई बार मांग की गई लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। एक्सईएन जल जीवन मिशन संदीप सिंह ने बताया कि एक सप्ताह के अंदर पानी टंकी का काम दोबारा शुरू कराया जायेगा। जल्द ही निर्माण कार्य पूरा कराकर जलापूर्ति शुरू कराई जाएगी।

स्वरोजगार को मिलेगा 10 लाख तक ऋण

संवाददाता—बहराइच। मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना के तहत शिक्षित ग्रामीण बेरोजगारों को उद्यम लगाने के लिए दस लाख तक का लोन दिया जा रहा है। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी अजय पाल सिंह ने बताया कि योजना के तहत 18 से 50 साल के युवाओं को 4 प्रतिशत तक ब्याज स्वयं वहन करना होगा।

दो खिलाड़ियों को मिला गोल्ड मेडल

संवाददाता—श्रावस्ती। जिला क्रीड़ा अधिकारी शिव कुमार यादव ने बताया कि नेशनल स्कूल गेम्स में बालक वर्ग की खो खो प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश की टीम ने महाराष्ट्र की टीम को हराकर स्वर्ण पदक जीता है। उत्तर प्रदेश की टीम में श्रावस्ती के दो खिलाड़ी अलक्षेन्द्र इण्टर कालेज भिनगा के छात्र अरविन्द कुमार यादव व कल्चूराम जनजातीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्र अनिकेत कुमार ने प्रतिभाग किया था। दोनों खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल हासिल कर जनपद का नाम रोशन किया है। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता का आयोजन 21 से 24 दिसम्बर तक अयोध्या में किया गया।

प्राण प्रतिष्ठा के बाद भारतवर्ष का गौरव पूरे विश्व में बढ़ा है –अखिल महाराज

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। वृंदावन से अयोध्या में श्री राम कथा करने पहुंचे आचार्य अखिल महाराज ने कहा कि पिछले एक वर्ष में अयोध्या पूर्ण रूप से बदल गई है और अयोध्या के कारण भारतवर्ष का गौरव पूरे विश्व में फैल रहा है, क्योंकि हमारे प्रभु श्री राम मर्यादा पुरुषोत्तम थे और आज भी कुशल राज्य संचालन का जब भी वर्णन होता है तो प्रभु श्री राम का नाम सबसे पहले आता है। उन्होंने बताया कि मैं निरंतर भ्रमण पर रहता हूं देश विदेश की यात्रा कर चुका हूं लेकिन प्राण प्रतिष्ठा के बाद भारत का जो गौरव विश्व में स्थापित हुआ है इसके पहले नहीं था इसके पीछे का कारण केवल और केवल प्रभु श्री राम है। आज भी कई मुस्लिम देश में प्रभु श्री राम के अनुसरण किया जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज हमारी सरकार सशक्त है वह जब चाहे तब बांग्लादेश को अपने कब्जे में ले सकती है लेकिन हम ऐसा नहीं करते हैं हमारी संस्कृ ति हमें वसुदेव कुटुंबकम की शिक्षा देती है, यही कारण है कि हम अभी समझ रहे हैं। हमारी सरकार कमजोर नहीं है लेकिन फिर भी हम चाहते हैं की बांग्लादेश की नई सरकार हमारे हिंदू भाइयों को हमारे धर्म स्थान को संरक्षित करें। उन्होंने बताया कि अयोध्या का परिवर्तन मनमोह ले रहा है। और आने वाले समय में इसमें और विस्तार होगा। उन्होंने बताया कि हमारी शिक्षा व्यवस्था धर्म आध ाारित होनी चाहिए। भारत की अर्थव्यवस्था पिछले 10 वर्षों में मजबूत हुई है इससे हमारी साख पूरे विश्व में बढ़ी है यह वर्तमान सरकार की देन है। श्री महाराज जी ने कथा में भगवान श्री राम के विवाह का वर्णन किया और कहा कि यह विवाह सभी को सुख प्रदान करता है। श्री महाराज जी के साथ आए उनके सुपुत्र आचार्य देवांग द्विवेदी ने बताया कि वर्तमान समय में धर्म के प्रति युवाओं की रुचि बढ़ी है निश्चित ही शिक्षा में परिवर्तन होना चाहिए जिससे हम धर्म का और विकास कर सके। उन्होंने कहा कि हमारा सनातन धर्म तर्क पर पूर्ण है,या हम यूं कह सकते हैं कि हम पूर्ण रूप से वैज्ञानिक हैं क्योंकि हमारे वेदों से वैज्ञानिकों ने बहुत कुछ सीखा है। हमारा कर्तव्य है कि हम धर्म युक्त शिक्षा की तरफ युवाओं को प्रेरित करें जिससे हमारे युवा हमसे जुड़े और हम और सशक्त और मजबूत हो सके। कथा के आयोजन संजय अग्रवाल ने बताया कि हमारा पूरा एक परिवार है जो महाराज जी से जुड़ा हुआ है हम लोग 2007 से विभिन्न धार्मिक स्थलों में वर्ष में एक बार कथा का आयोजन करते हैं चारों धाम में कथा हो चुकी है प्राण प्रतिष्ठा के बाद पहली बार अयोध्या में कथा हो रही है जिसमें देश के तो विभिन्न कोने से भक्त आए ही हुए हैं लेकिन अमेरिका कनाडा जैसे विदेश से भी दर्जनों लोग गुरु जी के सानिध्य में आकर के कथा श्रवण कर रहे हैं।

प्राण प्रतिष्ठा के बाद भक्ति भाव में गोते लगा रहे हैं श्रद्धालु

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। प्राण प्रतिष्ठा के लगभग 1 वर्ष पूरे होने वाले है और अब तक करोड़ों लोगों ने अपने जन्म स्थान पर विराजमान श्री राम लाल का दर्शन कर भाव विभोर हो रहे हैं और प्रतिदिन अयोध्या में दर्जनों आयोजन हो रहे हैं पूरी अयोध्या देश और विदेश से आने वाले सनातन प्रेमियों से गुंजायमान हो रही है इसी क्रम में दतिया मध्य प्रदेश से पधारे नगरिया परिवार के भक्त अपने भक्ति में शराब और अवध नगरी में श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन कर रहे हैं जिसमें व्यास पीठ पर विराजमान श्री महाराज जी ने भगवान श्री राम की जन्मस्थली में भगवान श्री राम की जन्म की कथा श्रवण कराई कथा श्रवण कर पूरा नगरिया परिवार भाव विभोर होकर नाचने लगा। कथा के यजमान रामकिशोर नगरिया ने बताया कि फैसला आने के बाद हम सभी लोगों की इच्छा थी कि जब प्रभु श्री राम अपने जन्म स्थान पर विराजमान हो जाएंगे तो राम की जन्मस्थली में हम लोग श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण करेंगे। आज हम अपने पूरे परिवार रिश्तेदार जो भारत में हैं या विदेश में रह रहे हैं उनके साथ अयोध्या में आकर के भागवत कथा सुन रहे हैं, दर्शन पूजन कर रहे हैं हम सभी लोगों का जीवन धन्य हो गया और जन्म स्थान पर विराजमान प्रभु श्री राम लाल साक्षात प्रभु का अवतार लग रहे हैं।

उत्तर प्रदेश के कोंच नगर पालिका अध्यक्ष प्रदीप कुमार गुप्ता ने बताया कि श्री राम मंदिर का फैसला कोर्ट ने किया लेकिन इसका श्रेय हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जाता है वह ना होते तो यह फैसला ना आता और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी ना होते तो अयोध्या का इतना अच्छा विकास ना होता इसलिए अयोध या के विकास के लिए प्रभु श्री राम को जन्म स्थान पर विराजमान करने के लिए हम पूरा श्री योगी और मोदी को देते हैं। आज अयोध्या में हमारे साथ सैकड़ो लोग आए हैं कथा सुन रहे हैं प्रभु श्री राम कला का दर्शन कर रहे हैं और अपने आप को ध ान्यवाद रहे हैं।

अमेरिका से आए इंजीनियर अखिलेश नगरिया ने बताया कि प्राण प्रतिष्ठा के समय अमेरिका में भी भारत जैसा उल्लास था निश्चित ही रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से भारत का सम्मान पूरे विश्व में बड़ा है और इसका श्रेय पूरा प्रधानमंत्री मोदी को है। डॉ रचना गुप्ता ने बताया कि अयोध्या एक बार सबको आना चाहिए देखना चाहिए और यहां रुकना चाहिए।

इस अवसर पर श्रीमती हीरामणि,श्रीमती कामिनी,संजीव लहारिया झाँसी ,श्रीमती किरन, पियूष सेठ छतरपुर,श्रीमती डॉ० रचना, डॉ० पवन नीखारा उरई,श्रीमती शिल्पी,श्रीमती मेघा, निखिलेश नगरिया सहित सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)

न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) सदर महोदय फैजाबाद

मूल वाद सं. 241/2023

मो0 हारून आदि

बनाम

रूस्तम अली आदि

बनाम–1– रूस्तम अली वल्द असगर अली 2– विवेक सोनी पुत्र छोटेलाल सोनी 3– गुलशन कुमार चौरसिया पुत्र रविन्द्रनाथ चौरसिया निवासीगण मौजा– जलालुद्दीन नगर परगना हवेली अवध तहसील सदर जनपद – अयोध्या

तारीख पेशी 06–02–2025

चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2025 के माह 02 के 6 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 24 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

कलक्ट्रेट परिसर में 62 लाख की लागत से बनेगा लाइब्रेरी भवन

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। कलक्ट्रेट भवन बनने के 29 वर्ष बाद भी एक अदद लाइब्रेरी की कमी पूरी नहीं हो सकी। जिलाधिकारी डॉ. राजा गणपति आर के पत्र को गंभीरता से लेते हुए राज्यसभा सदस्य बृजलाल ने सांसद निधि से 62 लाख 19 हजार रुपये प्रशासन के खाते में स्वीकृत किए हैं। सबकुछ ठीक ठाक रहा तो नए वर्ष में जल्द से जल्द एक बड़ा लाइब्रेरी भवन का तोहफा मिल जाएगा। जिलाधिकारी डॉ. राजा गणपति आर ने राज्यसभा सदस्य बृजलाल को एक पत्र लिखकर अवगत कराया कि 1995 में निर्मित कलक्ट्रेट के भवन में एक लाइब्रेरी भवन की दरकार है। इसके लिए 62.19 लाख रुपये की जरूरत है। डीएम के पत्र पर जनपद निवासी, प्रदेश के पूर्व डीजीपी और भाजपा से राज्यसभा सदस्य बृजलाल ने गंभीरता के साथ ही विशेष रुचि दिखाते हुए प्रेषित आगणन में निहित धनराशि देने की स्वीकृति प्रदान कर दी है। राज्य सभा सदस्य बृज लाल ने बताया कि कलक्ट्रेट में पुस्तकालय भवन के निर्माण के लिए सांसद निधि से 62.19 लाख स्वीकृत किया है। जनपद का सृजन 29 दिसंबर 1988 में हुआ था। कलक्ट्रेट भवन का निर्माण 1995 में हुआ। हर कलक्ट्रेट में पुस्तकालय होना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि गृह जनपद ही नोडल जिला चयनित किया है। ऐसे में कलक्ट्रेट में पुस्तकालय का निर्माण होने से खुशी होगी। उन्होंने बताया कि स्वीकृति धनराशि अपलोड भी हो गई है।

बोर्ड परीक्षा के मेधावी छात्र—छात्राएं पुरस्कृत

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। आदर्श लघु माध्यमिक विद्यालय बर्डपुर में शनिवार को मेधावी छात्र—छात्राओं का समारोह का आयोजन कर पुरस्कार दिया गया। इसमें वर्ष 2024 में विद्यालय की हाईस्कूल टॉपर छात्रा वंशिका गिरि को साइकिल देकर पुरस्कृत किया गया। इसके अलावा प्रियांजी चौधरी को गोल्ड मेडल व प्रमाण पत्र, अनुष्का यादव व आनन्द प्रजापति, नेहा गुप्ता, आदित्य यादव आदि मेधावियों को मेडल व प्रमाणपत्र दिया गया। इस अवसर पर विधायक श्यामधनी राही प्रधानाचार्य राजकुमारी पांडेय, बृजबिहारी मिश्र, पवन मिश्र आदि मौजूद रहे।

सफाई अभियान चलाया गया

संवाददाता—अम्बेडकरनगर। पावर कारपोरेशन के अधीक्षण अभियंता गिरीश नारायण मिश्र के निर्देश पर उपकेन्द्रों पर स्वच्छता अभियान चलाया गया।

जनरल क्वीज कंटेस्ट प्रतियोगिता के विजेता पुरस्कृत

—भारतीय बस्ती संवाददाता— बस्ती। शनिवार को न्यू इकरा पब्लिक स्कूल रहमतगंज में आयोजित जनरल क्वीज कंटेस्ट प्रतियोगिता के सफल अभ्यर्थियों को मेडल और पुरस्कार देकर पुरस्कृत किया गया।

संस्था के डायरेक्टर अयाज अहमद और प्रबन्धक डा. अजीज आलम ने कहा की ऐसे प्रतियोगिता होने से छात्रों में सामान्य ज्ञान बढने के साथ ही पढ़ाई में रुचि बढ़ती है। इससे छात्र—छात्राओं की प्रतिभा का विकास होता है।

विशिष्ट अतिथि शाइन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस के प्रिंसिपल मोहम्मद आसिफ, डायरेक्टर अली अरशद मौजूद रहे।

क्लास 1 के अरसलान अहमद ,बॉयज में और 8 की जिया मेहनाज, गर्ल्स में 96 प्रतिशत पाकर स्कूल टॉपर रहे। क्लास 1 से प्रथम अरसलान अहमद, द्वितीय इनाया फातिमा तृतीय मुहम्मद तकी,क्लास 2 से प्रथम अलिजाह फातिमा, मर्जिया जहरा द्वितीय मो. रेयान खान तृतीय फहद खान क्लास 3 से प्रथम यमन खान, द्वितीय मो. रशीद तृतीय मो. अफजल क्लास 4 से प्रथम सिदरा खान , द्वितीय अरीब खान तृतीय उम्मी रिफ्का क्लास 5 से प्रथम सादिया खान द्वितीय उम्मी कुलसुम तृतीय अब्दुल अहद,क्लास 6 से इकरा खातून, मो. जुनैद द्वितीय प्रज्ञा पाण्डेय तृतीय शान सिद्दीकी, क्लास 7 से प्रथम अलीना द्वितीय आइस बानो, रूहमा खान तृतीय सब खातून क्लास 8 से प्रथम जिया मेहनाज द्वितीय उम्मी कुलसुम तृतीय नशरा को मेडल, शील्ड और पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कुछ अन्य बच्चो को सांत्वना पुरस्कार भी दिया गया जिससे बच्चों का हौसला अफजाई हो सके। इस अवसर पर न्यू इकरा पब्लिक स्कूल की प्रधानाचार्या जेबा शाहीन, तस्लीम, राजिया, अरीबा, नबीला , ऐमन, कुतुबुद्दीन सित,हाफिज शहादत,फरहत आदि ने योगदान दिया।

चुरेब प्रसूता की मौत मामले में पीड़ित परिवार ने सुरक्षा की लगाई गुहार

संवाददाता—संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले में 21 दिसबर को चुरेब प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में हुई प्रसूता की मौत के मामले में पीड़ित परिवार ने जिलाधिकारी से मिलकर सुरक्षा और न्याय की गुहार लगाई। परिजनों ने लिखित प्रार्थना पत्र देकर जिलाधिकारी को अपनी बात बताई। जिलाधिकारी ने भी पीड़ित परिवार की बातों को सुनने के बाद जांच कराकर कार्रवाई करने की बात कही। मृतका के ससुर राम चंदर ने लिखित प्रार्थना के माध्यम से स्टाफ नर्स व उनके सहयोगियों पर धमकी देने और सुलह का दबाव बनाने का आरोप लगाकर सुरक्षा की मांग की है। उन्होंने बताया कि आरोपी लोग अपने रसूख के दम पर संघ को मोहरा बनाकर मेरे परिवार और मेरे सहयोगियों पर फर्जी मुकदमा दर्ज करवाने के लिए प्रयासरत हैं।

एनुअल स्पोर्ट मीट का समापन

—भारतीय बस्ती संवाददाता— बस्ती। शनिवार को नगर पंचायत कप्तानगंज के आदिशक्तिनगर वार्ड के पंडित चतुर्भुज तिवारी इंटर कॉलेज में तीन दिवसीय रिपब्लिक एनुअल स्पोर्ट मीट का समापन हुआ।

आयोजन के प्रथम दिन 100 मीटर दौड़, स्पून दौड़, गणित दौड़ का आयोजन किया गया तथा दूसरे दिन सुई धागा दौड़, जलेबी दौड़, कबड्डी तथा खो— खो का आयोजन किया गया। विभिन्न खेलों में प्रतिभा करने वाले खिलाड़ी शिवम चौधरी आदित्य यादव अनुज वर्मा आकाश मौर्य अंकित प्रिंस अग्रहरि सचिन यादव विवेक गौड जितेंद्र दानिश रंजीत आदित्य पांडे तेजस्व शिवांगी साहिब खातून माही सिंह पूजा यादव अंशिका खुशी वर्मा आयुष वर्मा आलोक पाण्डेय वर्षा अर्पिता रोशनी ने प्रतिभा किया।

एनुअल स्पोर्टमीट के दूसरे एवं तीसरे दिन भी प्रतिभागी खिलाडियों ने शानदार प्रदर्शन किया।

फसल अवशेष जलाने से नष्ट हो जाते हैं मृदा में मौजूद सूक्ष्म जीव

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। । क्षेत्र के परसा गांव में चल रहे किसानों का पांच दिवसीय प्रशिक्षण का समापन शनिवार को किया गया। प्रशिक्षण में केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. ओम प्रकाश ने किसानों से फसल अवशेष जलाने से होने वाले दुष्प्रभावों पर चर्चा की। डॉ. प्रदीप कुमार ने बताया कि फसल अवशेष जलाने से मृदा में उपस्थित सूक्ष्म जीव नष्ट हो जाते हैं, मृदा सतह कठोर हो जाती जिससे वायु संचार बाधित हो जाती है,मृदा की जल धारण क्षमता कम व पोषक तत्त्व नष्ट हो जाते हैं। केंद्र के प्रसार वैज्ञानिक डॉ. शेष नारायण सिंह ने फसल अवशेष प्रबंधन के लिए प्रयोग में आने वाले कृषि यंत्रों हैप्पी सीडर, सुपर सीडर, स्मार्ट सीडर मल्चर, रोटावेटर के बारे बताया। बीज वैज्ञानिक डॉ. सर्वजीत ने किसानों को बताया कि अवशेष को सड़ने के लिए 25 किग्रा यूरिया का प्रयोग प्रति हेक्टेयर करें। इससे सड़ने की प्रक्रिया तेज हो जाती है। उद्यान वैज्ञानिक डॉ. प्रवीण कुमार मिश्र ने बताया कि फसल अवशेषों को सब्जियों की खेती एवं फलों के बगीचों में प्रयोग करने से खरपतवार नियंत्रण, पानी की बचत और उत्पादन में वृद्धि होगी। केंद्र के मृदा वैज्ञानिक प्रवेश कुमार ने किसानों को बताया फसल अवशेषों को जलाने से मृदा का स्वास्थ्य खराब हो रहा है। पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है, इसलिए किसान फसल अवशेष को खेत में ही डिकंपोजर की सहायता से सड़ाएं। इस अवसर पर मो. जिकरुल्लाह, गुलाम रसूल, मो.मुनीर, दशरथ, अफजल हुसैन आदि मौजूद रहे।

मेंहदावल बाईपास से बसें श्रद्धालुओं को पहुंचाएंगी प्रयागराज

संवाददाता—संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले के श्रद्धालुओं को अब कुंभ में जाने के लिए परेशान नहीं होना पड़ेगा। परिवहन विभाग ने यात्रियों को कुंभ मेला ले जाने के लिए कमर कस ली है। अब चौबीस घंटे मेंहदावल बाईपास पर प्रयागराज के लिए बसें लगी रहेंगी। ये बसें अब बसंत पंचमी तक संचालित होंगी।

महाकुंभ को लेकर परिवहन विभाग ने पूरी तैयारी कर ली है। अब मेंहदावल बाईपास पर 50 बसों से श्रद्धालुओं को प्रयागराज पहुंचाया जाएगा। परिवहन विभाग के अनुसार हरदोई डिपो की बसें यहां से प्रयागराज के लिए चलेंगी। वहीं बस्ती डिपो से 30 बसें व राप्तीनगर डिपो की 20 बसें भी जिले से चलने की उम्मीद है। आए दिन प्रयागराज जाने के लिए लोग भटकते रहते थे। जिला मुख्यालय से यदि किसी को जाना रहता है तो वे या तो गोरखपुर या फिर बस्ती डिपो तक जाते थे।

अब यह सफर आसान हो गया है। प्रतिदिन जिला मुख्यालय से सैकड़ों की संख्या में लोग प्रयागराज जाते हैं। इतना ही नहीं कम समय में लोगों को ये बसें प्रयागराज पहुंचाएंगी। अब ये बसे धनघटा से बिड़हरघाट होते हुए प्रयागराज को जाएंगी। इससे लोगों का समय काफी बच जाएगा। जिला मुख्यालय से इस रास्ते प्रयागराज की दूरी महज 95 किलोमीटर के लगभग है। इतना ही नहीं किराया भी कम लगेगा। बस अड्डा प्रभारी टीएन दूबे ने बताया कि प्रयागराज के लिए जिला मुख्यालय से 50 बसें अतिरिक्त चलेंगी।

राम मंदिर में पुष्करणी निर्माण के लिए खोदाई शुरू, जून 2025 तक पूरा हो जाएगा परकोटे का काम

संवाददाता—अयोध्या। राम मंदिर में परकोटे का निर्माण जोरों पर चल रहा है। परकोटे में अब तक पांच लाख क्यूबिक पत्थर लग चुके हैं। अब केवल तीन लाख क्यूबिक पत्थर और लगने हैं।

राम मंदिर भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने बताया कि जून 2025 तक परकोटे का काम पूरा हो जाएगा। मूतियों का निर्माण भी चल रहा है। जनवरी के पहले सप्ताह में जयपुर जाकर मूर्तियों का निरीक्षण किया जाएगा। जैसे—जैसे मंदिर पूर्ण होते जाएंगे जयपुर से मूर्तियां लाने की व्यवस्था की जाएगी।

सप्त मंडपम के मध्य में बनने वाले पुष्करणी का काम शुरू हो गया है। इसके लिए खोदाई शुरू कर दी गई है। ड्राइंग, डिजाइन और तकनीक पर आज बैठक में विचार किया जाएगा। जनवरी तक अधिक से अधिक काम पूरा किया जाने की योजना है। उन्होंने बताया की परिसर में बनने वाले चारों प्रवेश द्वार संतों के नाम पर होंगे, ऐसा निर्णय लिया गया है।

अंडर 19 वॉलीबॉल चैंपियनशिप में खेलेगी बढ़नी की सुमन

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। बढ़नी कस्बे के वार्ड नंबर तीन लोहियानगर निवासी युगल किशोर की पुत्री सुमन गौंड़ छह से 10 जनवरी तक विजयवाड़ा आंध्रप्रदेश में होने वाली 68वीं अखिल भारतीय विद्यालयीय अंडर 19 बालिका वॉलीबॉल चौंपियनशिप में प्रतिभाग करेगी। सुमन का चयन छह से 10 नवंबर को बरेली में हुई राज्य स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता में प्रदर्शन के आधार पर उत्तर प्रदेश की वॉलीबॉल टीम में हुआ है। सुमन गांधी आदर्श विद्यालय इंटर कॉलेज बढ़नी में 11वीं की छात्रा है। उसने वॉलीबॉल कोच शंभू गुप्त से प्रशिक्षण प्राप्त की है। सुमन की इस उपलब्धि पर जिला वॉलीबॉल संघ के अध्यक्ष कसमालुद्दीन, देवेन्द्र पांडेय, रत्नेश सिंह, अब्दुल मोबीन, इशांक सिंह, सोनू गुप्त, अकील अहमद मुन्नू, असलम खान, ओंकार गुप्त, विनय शर्मा, करम हुसेन इदरीसी, निजाम अहमद, सगीर खाकसार, अजय प्रताप गुप्त, जुग्गीराम राही, अब्दुल हलीम, प्रबंधक कुनाल प्रताप शाह, प्रधानाचार्य विजय वर्मा, प्रवीण श्रीवास्तव, अनिल यादव आदि ने बधाई दी है।

बेकाबू ट्रक ने बाइक सवार को रौंदा, मौत

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। इटवा थाना क्षेत्र के शाहपुर पुलिस चौकी से महज सौ मीटर की दूरी पर शनिवार की सुबह बेकाबू ट्रक ने बाइक सवार युवक को रौंद दिया। इससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं युवक की मौत से परिवार में कोहराम मच गया है। डुमरियागंज थाना क्षेत्र के लहरौली गांव निवासी अखिलेश श्रीवास्तव (25) पुत्र सुरेश चंद्र श्रीवास्तव भनवापुर ब्लॉक में संविदा कर्मी के रूप में कार्यरत था। वह शनिवार की सुबह बाइक से भनवापुर ब्लॉक जा रहा था। अभी वह शाहपुर पुलिस चौकी से 100 मीटर पहले पहुंचा ही था कि एक ट्रक ने उसे रौंद दिया। इससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। हादसा देख मौके पर भीड़ जुट गई। किसी ने घटना की सूचना पुलिस व परिजनों को दी। सूचना पर परिजन व इटवा पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। शाहपुर चौकी इंचार्ज राजेश कुमार तिवारी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। ट्रक को कब्जे में ले लिया है।

लोहरौली गांव निवासी मृतक अखिलेश श्रीवास्तव तीन भाइयों में दूसरे नंबर पर था। अखिलेश की अभी शादी नहीं हुई थी।

बिगड़ रहा मौसम का मिजाज, सुबह से छाई बदली

संवाददाता—संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले में जिले का मौसम का मिजाज शनिवार को बिगड़ने लगा है। पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी व वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के का असर पूर्वांचल के मौसम पर पड़ रहा है। शनिवार को सुबह से ही बदली छाई रही। बदली के कारण न्यूनतम तापमान में तीन डिग्री की गिरावट आ गई है। धूप न निकलने से ठंड का असर और भी बढ़ गया है। जिले में शनिवार की भोर से ही मौसम का मिजाज बदल गया। सुबह हुई तो बदली छाई छाई रही। ठंड के सीजन में भी प्रतिदिन निकलने वाली धूप आज गायब रही। इसके चलते ठंड का असर बढ़ गया। बदलते मौसम के असर से दिन भी हल्की धुंध छाई रही पर इसका असर दृश्यता पर नहीं पड़ा। दृश्यता पर्याप्त रही। शुक्रवार की अपेक्षा न्यूनतम तापमान तीन डिग्री गिरकर 11 पर रुका। हल्की हवाओं के साथ गलन का भी अहसास होता रहा। बदली के चलते हल्की बारिश के आसार बने हैं। हालांकि बारिश होने से गेहूं की फसल सिंचाई हो जाएगी। इस समय बारिश होने से दूसरी फसलों को भी लाभ होगा। बारिश हुई तो गलन का प्रकोप तेजी से बढ़ेगाा। नरेन्द्र देव कृषि विवि कुमारगंज के मौसम वैज्ञानिक डाध अमरनाथ मिश्र ने बताया कि बारिश के आसार बने हुए हैं। आसमान में बदली छाई रहेगी। मौसम के मिजाज को देखते हुए किसानों को सतर्क रहना चाहिए। हल्की बारिश फसलों के लिए मुफीद रहेगी।

एम्स की एमबीबीएस छात्रा से छेड़खानी, धरने पर बैठे जूनियर डॉक्टर, रात में मचा हंगामा

संवाददाता—गोरखपुर। एमबीबीएस छात्रा से छेड़खानी का आरोप लगाते हुए एम्स के जूनियर डॉक्टरों ने शुक्रवार की रात में जमकर हंगामा किया। एक गार्ड पर नशे की हालत में बदसलूकी का आरोप लगाते हुए छात्र धरने पर बैठ गए। रात करीब 11 बजे सूचना पर पहुंची पुलिस ने समझाकर उन्हें शांत कराया। पुलिस ने पीड़िता को बुलाया तो छात्रों ने इनकार कर दिया। अब छात्रों से प्रार्थना पत्र मांगा गया है। उसी के आधार पर पुलिस केस दर्ज करेगी। उधर, जूनियर डॉक्टरों के हंगामे की वजह से इमरजेंसी में अफरातफरी मच गई थी। सीनियर डॉक्टरों ने मरीजों को संभाला।

दरअसर, शुक्रवार की रात करीब 10.45 बजे एम्स में एमबीबीएस की एक छात्रा नर्स के साथ एक परिसर में ही एक विभाग में जा रही थी। आरोप है कि गेट नंबर चार के पास नशे में धुत गार्ड ने उससे छेड़खानी कर दी। छात्रा के शोर मचाने पर कई जूनियर डॉक्टर एकत्र हो गए और फिर हंगामा करने लगे। कई छात्र धरने पर बैठ गए। पहले तो एम्स के सीनियरों व प्रशासनिक अफसरों ने खुद मामला संभालने की कोशिश की, लेकिन बाद में पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर एम्स थानेदार संजय मिश्रा पुलिस टीम के साथ पहुंच गए। उन्होंने पीड़िता से तहरीर देने की बात कही तो छात्रों ने कहा कि उनकी शिकायत पर ही केस दर्ज हो। फिर पुलिस ने उनसे प्रार्थना पत्र मांगा। करीब आधे घंटे तक छात्र धरने पर बैठ रहे।

एमबीबीएस छात्रा से छेड़खानी का आरोप लगाते हुए एम्स के जूनियर डॉक्टरों ने शुक्रवार की रात में जमकर हंगामा किया। एक गार्ड पर नशे की हालत में बदसलूकी का आरोप लगाते हुए छात्र धरने पर बैठ गए। जूनियर डॉक्टर धरने पर बैठ गए तो इमरजेंसी में मरीज के तीमारदार परेशान हो गए। क्योंकि उनके पीछे कई नर्स भी चली आई थी, जिससे इलाज प्रभावित होने लगा। हालांकि, इसकी जानकारी मिलते ही सीनियर डॉक्टर पहुंच गए थे और सबको जरूरी इलाज देने के साथ ही छात्रों को भी समझाते नजर आए।

एसपी सिटी अभिनव त्ध्यागी ने कहा कि एम्स में छेड़खानी का आरोप लगाकर छात्र धरने पर बैठे थे। उन्हें समझाकर शांत करा दिया गया है। तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर कार्रवाई होगी।

अधिवक्ताओं ने जारी रखा धरना

संवाददाता—संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले के धनघटा तहसील पर अधिवक्ताओं ने अपना धरना जारी रखा। अधिवक्ता निबंधन कार्यालय को तहसील परिसर में बनाए जाने के लिए धरना दे रहे हैं। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष हनुमान प्रसाद चौधरी ने कहा कि उप निबंधन कार्यालय दान की दी हुई भूमि में बनवाने की बात को लेकर अधिवक्ताओं ने कहा है कि प्रशासन के लोग अधिवक्ताओं के साथ नाइंसाफी कर रहे हैं। तहसील परिसर में पर्याप्त भूमि उपबंधन कार्यालय बनवाने के लिए मौजूद है फिर भी तहसील से दूर हटकर उप निबंधन कार्यालय बनवाने का कार्य किया जा रहा है। इसकी जितनी निंदा की जाए वह काम है। अधिवक्ताओं का कहना है कि अब 30 दिसंबर को जिलाधिकारी कार्यालय के बरामदे में धरना—प्रदर्शन किया जाएगा।

अज्ञात कारणों से लगी आग से दो जानवर झुलसे

संवाददाता—संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले के कोतवाली खलीलाबाद थाना क्षेत्र के बूधा खुर्द गांव में शनिवार की दोपहर के समय अज्ञात कारणों से झोपड़ी में आग लग गई। जब तक लोग आग को बुझाते तब तक दो जानवर जलकर जख्मी हो गए। बूधा खुर्द गांव निवासी राम बचन के झोपड़ी में शनिवार को अचानक आग लग गई। जब तक लोग कुछ समझ पाते तब तक आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। पूरी झोपड़ी धू धू कर जलने लगी। दर्जनों संख्या में पहुंचे लोग आग बुझाने लगे। काफी देर मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। तब तक अंदर बंधे दो जानवर बुरी तरह जलकर जख्मी हो गए। अंदर रखा घर गृहस्थी का सामान भी जलकर राख हो गया।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो०नि०वि०, बस्ती

पत्रांक 5436 / ए—2   दिनांक—20.12.2024

पुनः ई—निविदा आमंत्रण सूचना

1— महामहिम राज्यपाल महोदय उत्तर प्रदेश की ओर से अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड लो०नि०वि०, बस्ती द्वारा उत्तर प्रदेश लोक निर्माण विभाग में सेतु कार्य हेतु ''ए'' 'बी' 'सी' एवं डी'' श्रेणी में पजीकृत ठेकेदारों से ई—टेण्डरिंग के माध्यम से नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है—

क्र0 सं0	जनपद का नाम	कार्य का नाम	लागत (रू0 लाख मे)	धरोहर धनराशि (रू0 लाख मे)	निविदा प्रपत्र का मूल्य समस्त कर सहित (रू0 मे)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षा ऋतु सहित)
1	बस्ती	गौर वेलवरिया माझा मानपुर मार्ग के विसुई नदी पर स्थित सेतु व पहुँच मार्ग के मरम्मत एवं अनुरक्षण कार्य	28.00	2.80	944.00	6 माह

2— प्रत्येक निविदा का शुल्क खाता UP e-tender online Account-Government के Internet Banking के द्वारा ही स्वीकार की जायेगी।

3— प्रत्येक निविदा सिक्योरिटी धनराशि खाता UP e-tender online count ds Internet Banking के द्वारा ही स्वीकार की जायेगी। बिड डाक्यूमेन्ट वेवसाईट http://etender.up.nic.in पर दिनांक 31.12.2024 (11:00 बजे पूर्वान्ह) से 07.01.2025 (12.00 बजे मध्यान्ह) तक उपलब्ध है एवं अपलोड किया जा सकता है। निविदा की तकनीकी विड दिनांक 07.01.2025 (12:30 अपरान्ह) आनलाइन खोली जायेगी।

4— निविदा आमंत्रणकर्ता को सशोधन शुद्धिपत्र जारी करने का अधिकार है। जो आनलाइन उपलब्ध रहेगा। समस्त इच्छुक निविदादाता को सलाह दी जाती है कि वे ई—टेण्डर पोर्टल को नियमित रूप से देखते रहे।

5 — निविदा से सम्बधित अधिक जानकारी वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। इस वेवसाइट के चाणज्य पोर्टल वो प्रहरी सोपटवेयर पर निविदा अपलोड की जायेगी। प्रहरी सॉफ्टवेयर की वेबसाइट www-uppwd.gov.in/prahari है।

(इं० सजीव कुमार)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो०नि०वि० बस्ती।

संख्या उ0प्र0 224993 दिनांक:—27 / 12 / 2024
विज्ञापन वेबसाइट www.upgov.nic.inपर उपलब्ध है।

कार्यालय सहायक रजिस्ट्रार फर्म्स सोसाइटीज एवं चिट्स मण्डल गोरखपुर

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री हयात मोहम्मद पुत्र श्री ईशा मोहम्मद प्रबंधक की हैसियत से संस्था मदीना मस्जिद संस्था, ग्राम अमौली पो0—हथियागढ़ तहसील—बस्ती, जनपद—बस्ती के पंजीकरण हेतु निर्धारित शुल्क प्रपत्र प्रस्तुत किये गये है। प्राप्त अभिलेख के अनुसार सर्व श्री 01. श्री मोहम्मद इदरीसी—अध्यक्ष 2. श्री मोहम्मद याकूब—उपाध्यक्ष 3. श्री हयात मोहम्मद—प्रबंधक 4. श्री मोहम्मद अयुब मोहम्मद असलम इदरीसी—उपप्रबन्धक 5. श्री शाहबुद्दीन—कोषाध्यक्ष 6. श्री शम्सुद्दीन सदस्य 7 श्री मोहम्मद वसीम सदस्य दर्शाये गये।

अतः यदि किसी व्यक्ति को उक्त संस्था के पंजीकरण पर आपत्ति हो तो यह अपनी आपत्ति सूचना प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अन्दर प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित तिथि के पश्चात आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा और गुण—दोष के आधार पर संस्था के पंजीकरण सम्बन्धी कार्यवाही सुनिश्चित कर ली जायेगी।

आज्ञा से
(बी0के0 सिंह)
सहायक रजिस्ट्रार
गोरखपुर मण्डल गोरखपुर

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1—4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक—**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक—**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**

अयोध्या—फैजाबाद कार्यालय—
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या—फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय—
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय—
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com